हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

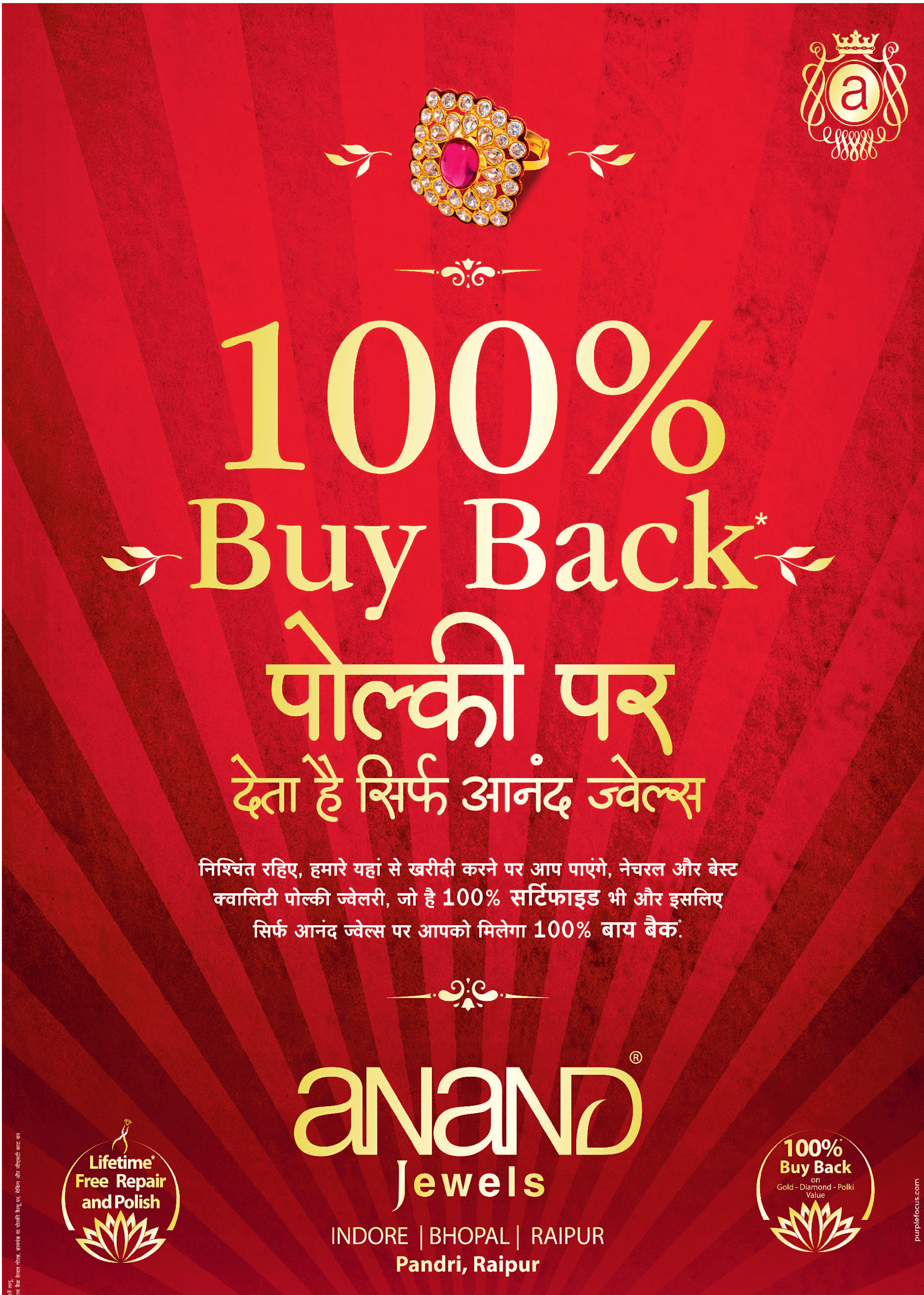

लेट्स प्ले / पूर्ति खरे

खेलें खेल
बनें एक्टिव-हेल्दी-हैप्पी

खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। स्टडी और बाकी रूटीन-वर्क के साथ-साथ खेलना भी बहुत जरूरी होता है। खेलने से ताजगी तो मिलती ही है, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहता है। खेलना क्यों जरूरी है, इससे क्या फायदे हैं, जानो।

बच्चों, तुमने घर के बड़ों के मुंह से अकसर सुना होगा, 'स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।' पढ़ाई और बाकी मेंटल एक्टिविटीज में एक्टिव रहने के लिए तुम्हारा फिजिकली फिट रहना बहुत जरूरी है। जब तुम कोई गेम, खासकर आउटडोर गेम खेलते हो तो इससे तुम्हारा शरीर फिट रहता है, साथ ही मानसिक विकास भी अच्छा होता है। इसके अलावा खेलने से दूसरे और भी कई लाभ हैं, तुम्हें इसकी भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि तुम शारीरिक और मानसिक रूप से हमेशा स्वस्थ रहो।

उमंग-उत्साह का संचार: हमारा मन हमेशा उन कामों को करना चाहता है, जिसे करने में हमें खुशी मिलती है। खेल कुछ ऐसी ही एक्टिविटी है, जब भी हम कोई खेल खेलते हैं, हम उमंग-उत्साह से भर उठते हैं। इससे हमें एक पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। इससे हमारा कंसंट्रेशन अच्छा होता है, जो पढ़ाई में काम आता है, साथ ही अन्य दूसरी एक्टिविटीज में हम आगे बढ़ते हैं। यही वजह है कि आजकल स्कूलों में भी फिजिकल और मेंटल एक्टिविटीज को इंपॉर्टेंस दी जाती है।

बनते हैं डिसिप्लींड-सेल्फ डिपेंड: खेल में सफल होने के लिए एक डिसिप्लीन तो जरूरी है ही, साथ ही स्वयं के प्रयास भी बहुत जरूरी हैं, यही प्रयास हमें सेल्फ डिपेंड बनाते हैं। खेल में सफल होने के लिए नियमित अभ्यास भी बहुत जरूरी है। जो खिलाड़ी इन तीनों बातों का पालन करता है, वह बेहतर प्रदर्शन करता है, सफल होता है। इस तरह खेल हमें सिखाते हैं कि सफल जीवन के लिए डिसिप्लीन, सेल्फ डिपेंडेंट और निरंतर अभ्यास बहुत जरूरी हैं।

पता चलता है संगठित शक्ति का महत्व: अधिकांश खेल समूह में खेले जाते हैं। प्रतियोगी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं, लेकिन वे अपनी टीम के प्रति सहयोगात्मक और समर्पित रहती हैं। खेल हमें सिखाते हैं कि जब हम संगठित होकर काम करते हैं, तो निश्चित ही हम श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतिस्पर्धा की भावना हमें श्रेष्ठ करने का जज्बा देती है: प्रतिस्पर्धा हमें दूसरों से आगे निकलने के लिए प्रेरित करती है। खेलों में यह भावना पूरी तरह से देखी जाती है। यह हमें सिखाती है कि जो आज अच्छा है, वह कल और बेहतर हो सकता है। यही भावना जीवन में भी लागू होती है, जो हमें बेहतर से भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है।

बढ़ती है मेंटल-फिजिकल एक्टिविटी: आजकल बच्चे सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं, इससे उनकी सेहत और याददाश्त प्रभावित होती है। खेल शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सक्रियता प्रदान करते हैं, इससे सेहत और याददाश्त सुधरती है। खेल ना केवल तन को बल्कि मन को भी तंदुरुस्त रखते हैं। इस तरह शारीरिक सक्रियता के लिए खेलना जरूरी है।

हरेक खेल का है अपना महत्व: खेल के मैदान में खेले जाने वाले खेल हों या दिमागी खेल, हर खेल का अपना महत्व है। खेल जीवन को सक्रिय और दिलचस्प बनाते हैं। हर खेल हमें जीवन से जुड़ी कोई ना कोई सीख देता है। खेलों के माध्यम से हम समय का उपयोग बेहतर ढंग से कर सकते हैं, खुद को रिफ्रेश और अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। *

कुछ पुराने रोचक खेल

जब बात खेलों की चल ही रही है तो हम कुछ पुराने और परंपरागत खेलों को भी याद करें। ये खेल बहुत ही रोचक, दिलचस्प और मनोरंजक होते थे। बच्चों, जानो इन खेलों के बारे में।

घोड़ा दीवानशाही: यह एक समूह में खेला जाने वाला खेल है, जिसे बच्चे गोल घेरे में बैठकर खेलते हैं। किसी एक बच्चे के पीछे कपड़े का एक कोड़ा चुपके से रखा जाता है। अगर उसे कोड़े रखे जाना का पता नहीं चलता तो फिर उस पर कोड़े बरसाए जाते हैं।

गिल्ली-डंडा: बहुत ही पुराना खेल है गिल्ली-डंडा। इसमें गिल्ली को डंडे से उछालकर खेला जाता है।

चपेटा (गोटा): लड़कियां इस खेल को ज्यादा खेलती हैं। इस खेल में लड़कियां छोटे पत्थर उछाल कर अपने हाथ से पकड़ती हैं।

चंदा-पउवा (कौड़ी): चार खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला खेल, जिसमें गोटियों से अंक जुटाए जाते हैं।

पर्ची वाले खेल: पढ़ाई को मजेदार बनाने के लिए यह खेल खेला जाता है, जिसमें वस्तु और शहर के नाम लिखे जाते हैं।

गिप्पी: यह खेल चिकने पत्थर से खेला जाता है, इस खेल को ज्यादातर लड़कियां ही खेलती हैं।

अंताक्षरी: कई लोग बैठकर यह खेल खेलते हैं। इसमें दो टीम होती हैं। गाने के अंतिम अक्षर पर टीम के किसी सदस्य को गाना होता है। एक टीम के सदस्य का गाना खत्म होने पर दूसरी टीम का सदस्य गाने के अंतिम अक्षर का गाना गाता है। यह खेल बहुत मनोरंजक होता है।

यह भी जानो / नयनतारा

बच्चों, ऑर्केस्ट्रा में, फिल्मी गीतों में या फिर गीत-संगीत के किसी कार्यक्रम में बहुत सारे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ-साथ सबसे अधिक संख्या में जो इंस्ट्रूमेंट प्ले किया जाता है, वह है- वायलिन! आओ, हम तुम्हें 'साजों की रानी' वायलिन के आविष्कार की कहानी बताते हैं।

वायलिन के आविष्कार की कहानी

बच्चों, अगर तुम सौ संगीतकारों का कोई ऑर्केस्ट्रा देखोगे तो उसमें तीस से अधिक वायलिन बजाने वाले होंगे। वायलिन की टोन, इससे निकलने वाली धुनों और इसके एक्सप्रेशन के मल्टीपल लेवल और विस्तृत रेंज के कारण इसे ऑर्केस्ट्रा और अन्य म्यूजिकल इंवेट्स में अधिक महत्व दिया जाता है।

वायलिन के शुरुआत की जड़ें भारत में: बच्चों, वायलिन को विकसित होने में सैकड़ों वर्ष लगे। इसकी शुरुआत अपने देश भारत से मानी जाती है। दरअसल, हमारे देश में ही तारों के साज (म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट) बजाने का चलन आरंभ हुआ था। समय के साथ वीणा, सारंगी, तंबूरा, एकतारा, सितार जैसे साजों का आविष्कार होता गया और ये साज प्रचलन में आते गए। हम देख सकते हैं, आज भी हमारे लोक संगीत में एकतारा, सारंगी, सितार आदि तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स प्रमुखता से बजाए जाते हैं।

इकतारा

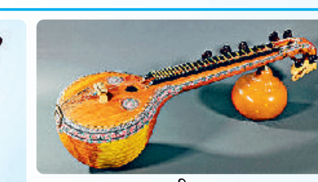

वीणा

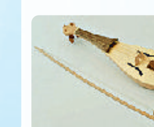

रेबेक

विएल्ले

हमसे इंस्पायर हुए यूरोपवासी: हमारे तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स से प्रेरित होकर ही मध्य युग के शुरुआत में यूरोप में अनेक तार वाले साज, 'बो'(धनुषाकार तार वाला उपकरण) के जरिए बजाए जाने लगे। इन साजों में से ही एक 'वीएल्ले' था, जो यूरोप में संभवतः 10वीं शताब्दी में बजाया जाने लगा था। इसे संगीतकार अपने कंधे से लगाकर बजाता था।

दो साजों के मिलने से बना एक साज: आगे चलकर वीएल्ले के स्वरूप में भी परिवर्तन आया। उन दिनों एक अरबी साज 'रबाब' या 'रेबेक' भी प्रचलन में आ चुका था। वीएल्ले की स्ट्रेंडी बॉडी में बहुत होशियारी से रबाब के पेग शामिल कर दिए गए और इस मिश्रण से एक नए साज का जन्म हुआ। यह नए प्रकार का इंस्ट्रूमेंट कुछ-कुछ वायलिन जैसा ही था।

वायलिन के वास्तविक स्वरूप का आविष्कार: वैसे तो वायलिन को अपना बुनियादी आकार सन 1550 और 1600 के बीच में मिला और तब से उसमें बहुत मामूली परिवर्तन ही आया है। सबसे सफल वायलिन 17वीं-18वीं शताब्दी में बनाए गए। इटली के अंटोनियो स्ट्राडिवारी का वायलिन निर्माण के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्ट्राडिवरी अलग-अलग प्रकार के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण करते थे। इन्होंने एक हजार से अधिक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का आविष्कार किया था, जिनमें से अधिकतर वायलिन थे। म्यूजिक और वायलिन के प्रति इनकी दीवानगी के कारण स्ट्राडिवरी को 'उस्तादों का उस्ताद' कहा जाता था।

बच्चों, पांच सौ से अधिक वायलिंस ऐसे हैं, जिनके नाम उन महान संगीतकारों के नाम पर पड़े, जो उन्हें बजाते थे, जैसे-विओट्टी..आदि। *

जीके क्विज-125

1. हाल ही में किस फेमस टेनिस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की?
2. चुनाव के बाद एक बार फिर से हरियाणा के मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
3. पिछले दिनों फ्रांस के नए प्रधानमंत्री कौन बने हैं?
4. आइसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन कहां किया जा रहा है?
5. स्वाधीनता से पूर्व साइमन कमीशन कब भारत आया था?
6. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?
7. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
8. एफिल टावर कहां स्थित है?
9. 'मालगुडी डेज' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
10. सर्वप्रथम किस विदेशी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

बच्चों, जीके क्विज-125 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-124 का उत्तर : 1.यूएई, 2.विराट कोहली, 3.मिथुन चक्रवर्ती, 4.जर्मनी, 5. पामीर का पठार, 6.लोहा, 7.कैरोटीन, 8.शेरशाह सूरी, 9.ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, 10.मत्स्य पालन

जीके क्विज-124 का सही उत्तर देने वाले : अनिल-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, मानवी मधुकर-बिलासपुर, क्षमानिधि-बेमेतरा, पृथ्वीराज-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, जय-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, आशुतोष-परसदा, आर्यन-रोहतक, दिव्या-रायपुर, हितेश-महासमुंद

हंसगुल्ले

नव्या : दुनिया में कितने देश हैं?
नैंसी : सिर्फ एक देश है– भारत।
नव्या : तो फिर अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस ये सब क्या हैं?
नैंसी : अरे बुद्धू, वो सब तो विदेश हैं।
-खुशबू, रायपुर

चिंटू स्कूल जाते हुए बहुत रो रहा था।
पापा : चुप हो जाओ.. शेर बच्चे रोते नहीं।
चिंटू : लेकिन शेर बच्चे स्कूल भी तो नहीं जाते।
-राहुल, महासमुंद

मोनू : मैं चावल को बर्फ बना सकता हूं।
सोनू : (आश्चर्य से) वो कैसे?
मोनू : 'R' हटाकर।
सोनू : मतलब?
मोनू : जब हम RICE (चावल) में से R हटा देंगे तो ICE (बर्फ) ही तो बचेगा न।
-कुमकुम, बिलासपुर

गोलू और नन्ही चिड़िया

गोलू अपने मामा के गांव से लौटकर आया तो उसे वहां के बगीचे में फुदकती एक चिड़िया बहुत याद आती। उसका यही मन करता, वह चिड़िया यहां भी दिखाई दे। लेकिन चिड़िया दिखाई कैसे देती, उसके घर के आस-पास कोई पेड़ ही नहीं था, जिस पर आकर चिड़िया बैठती, चहकती। क्या गोलू अपने घर के आस-पास पेड़ की कोई व्यवस्था कर पाया?

कहानी
कल्लोल चक्रवर्ती

विद्यालय में दशहरे की छुट्टियां हुईं तो गोलू अपने मामा के गांव चला गया। वहां से जब वह वापस अपने घर लौटा तो उदास था। मामा के गांव में उसके कई दोस्त बन गए थे। उन सबकी गोलू को बहुत याद आ रही थी। सबसे ज्यादा नन्ही चिड़िया याद आ रही थी, जो रोज सुबह बगीचे में उससे मिलने आती थी। हुआ यह कि एक सुबह गोलू बगीचे में बैठा दूध-रोटी खा रहा था, तभी उसकी नजर अमरूद के पेड़ की निचली डाल पर बैठी एक सुंदर-सी चिड़िया पर पड़ी। गोलू को लगा कि चिड़िया उसे दूध-रोटी खाता देख रही है। उसने रोटी का एक टुकड़ा चिड़िया के सामने फेंक दिया, पहले तो चिड़िया ने उसे टुकुर-टुकुर गर्दन मटकाते देखा फिर रोटी का टुकड़ा आकर खा लिया। अगले दिन फिर ऐसे ही हुआ। फिर तो यह गोलू का खेल ही बन गया। मामी उसे खाने के लिए कटोरी में दूध-रोटी देतीं, तो वह बगीचे में जाकर बैठ जाता। एक-दो कौर खाने के बाद ही देखता कि चिड़िया अमरूद के पेड़ की डाल पर आ बैठी है। उससे रोटी पाने का इंतजार कर रही है। गोलू को आश्चर्य होता कि चिड़िया को उसके आने का पता कैसे लगा जाता है? गोलू की इस चिड़िया से बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी।

गोलू जब वापस शहर अपने घर पर लौटा तो भी वह चिड़िया उसे बहुत याद आ रही थी। गोलू की आंखों में आंसू आ गए। उसकी मां ने देखा तो उन्हें यही लगा, मामा के गांव के दोस्तों का साथ छूट जाने से वह दुखी है।

गोलू रात सोया तो सपने में वही नन्ही सुंदर चिड़िया आई। पेड़ पर बैठकर वह गोलू को देख रही थी। गोलू बहुत खुश था। सुबह उठने पर उसे यकीन ही नहीं हुआ कि वह अपने घर में है। गोलू कटोरी में दूध-रोटी लेकर घर के बाहर बैठ गया। उसे लगा कि शायद यहां शहर में भी चिड़िया आएगी। लेकिन यहां दूर-दूर तक कोई चिड़िया नहीं थी। स्कूल जाते हुए वह पूरे रास्ते इधर-उधर देखता रहा कि कहीं वह चिड़िया दिख जाए। उसने दोस्तों से सुना था, चिड़िया उड़कर कहीं भी पहुंच सकती है। स्कूल में पढ़ाई के समय भी वह क्लास में चिड़िया के बारे में सोचता रहा। उसे अपने जिगरी दोस्त चीकू से मिलकर भी खुशी नहीं हुई। स्कूल में छुट्टी होने के बाद घर लौटते समय गोलू ने चीकू को उस चिड़िया के बारे में बताया। चीकू ने बताया, 'मेरे चाचा ने एक चिड़िया पाली थी, पर वह दो दिन में ही उड़ गई। अब वह कभी-कभी पास के पेड़ की डाल पर आकर बैठती है। पेड़ ही तो चिड़िया के घर होते हैं।'

यह सुनकर गोलू उदास हो गया। उसके घर के सामने तो कोई पेड़ ही नहीं है। घर लौटते ही उसने देखा कि दरवाजे पर दादी बैठी हैं। गोलू ने दादी से कहा, 'मैं घर के सामने पेड़ लगाऊंगा, तभी तो चिड़िया बैठेगी।' दादी यह सुनकर जोर से हंस पड़ीं, बोलीं, 'पौधे लगाएगा, तभी तो पेड़ बनेंगे।'

गोलू सोच में पड़ गया कि वह पौधे लाए तो कहां से लाए? दादी को पता था कि ननिहाल से लौटने के बाद से ही गोलू उदास है। उन्होंने कहा, 'तू चिंता मत कर। हरिया माली से कहकर कुछ पौधे मंगवा लूंगी मैं। वह लगा भी देगा।'

अगले दिन गोलू ने स्कूल से आकर देखा कि घर के सामने कुछ पौधे लगाकर हरिया काका ने उन्हें बांस से घेर भी दिया है। खुशी से वह अंदर गया, तो दादी बोलीं, 'बेटा, सिर्फ खुश होने से काम नहीं चलेगा। इन नन्हे पौधों में रोज पानी तुझे ही देना होगा, तभी ये पेड़ बनेंगे, इनमें फूल खिलेंगे, फल आएंगे। इन पर आकर कई सारी चिड़ियां बैठेंगी।'

गोलू खुशी-खुशी राजी हो गया। मन ही मन बोला कि कल स्कूल जाने पर चीकू को सबसे पहले यह खबर दूंगा। उस रात सपने में गोलू को फिर वह चिड़िया दिखाई दी। इस बार वह मामा के घर के बगीचे में अमरूद के पेड़ पर नहीं, उसके घर के सामने लगे पौधों के बीच इधर-उधर फुदक रही है। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

उड़कर आसमान को छू लें

चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।
बिना पेड़ पर चढ़े रसीले, आम तोड़ कर खाएं।।
पंख हमें दो ऐसे, जिसमें हों सोने के सिक्के,
जिसे देख कर धरतीवासी रह जाएं भौचक्के,
गिरें टपाटप सिक्के, पांखें जितनी बार हिलाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
आसमान में छैल-छबीली ढेरों उड़ें पतंगें,
लड़ें पेंच पर पेंच सैकड़ों जब भी कटें पतंगें,
कटी पतंगों को उड़कर हम पकड़-पकड़ फिर लाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
नाना जी के घर जाना हो या जाना हो मेला,
जाम लगा हो या सड़कों पर उमड़ रहा हो रेला,
पल में पंख पसारें अपनी मंजिल को हम पाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
बस गाड़ी का इंतजार भी करना नहीं पड़ेगा,
मम्मी-पापा को संग लेकर चलना नहीं पड़ेगा,
उड़कर पढ़ने जाएं, विद्यालय से उड़कर आएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
चिड़िया बोली पंख तुम्हारे भीतर लगे हुए हैं,
हिम्मत, ताकत, जोश, हौसले के पर उगे हुए हैं
बस अंदर झांकें, अपने इन पंखों को फैलाएं।
उड़कर आसमान को छू लें, जो चाहें, वो पाएं।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां जंगल की सैर पर निकले भोलू भालू के दो चित्र दिए गए हैं। ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सात अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सातों अंतर खोजो।

उत्तर: 1.भालू की टोपी का रंग अलग है। [illegible]

पूरा करो लोकोक्ति-मुहावरे

बच्चों, यहां कुछ अधूरी लोकोक्तियां और मुहावरे दिए गए हैं, इन सभी में रिक्त स्थानों पर शरीर के किसी-न-किसी अंग का नाम भरने से ये पूरे और अर्थपूर्ण हो जाएंगे। तुम रिक्त स्थानों में उपयुक्त अंगों का नाम भरकर इन लोकोक्तियों/मुहावरों को पूरा करो।

1. .... का तारा होना।
2. .... पर जूं न रेंगना।
3. .... का बाल होना।
4. .... पर सवार होना।
5. .... पर मूंग दलना।
6. ....चौड़ा होना।
7. .... का पानी न हिलना।
8. .... मुंह को आना।
9. .... की जूती।
10. ....बांका न होना।
11. ....धोकर पीछे पड़ना।
12. ....जाए पर दमड़ी न जाए।
13. .... खट्टे करना।
14. .... टेक देना।
15. ....पर मौत सवार होना।

प्रस्तुति : दीनदयाल शर्मा

उत्तर : 1.आंख 2.कान 3.नाक 4.सिर 5.छाती 6.सीना 7.पेट 8.कलेजा 9.पैर 10.बाल 11.हाथ 12.चमड़ी 13.दांत 14.घुटने 15.सिर

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक नन्ही परी का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि इस नन्ही परी के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

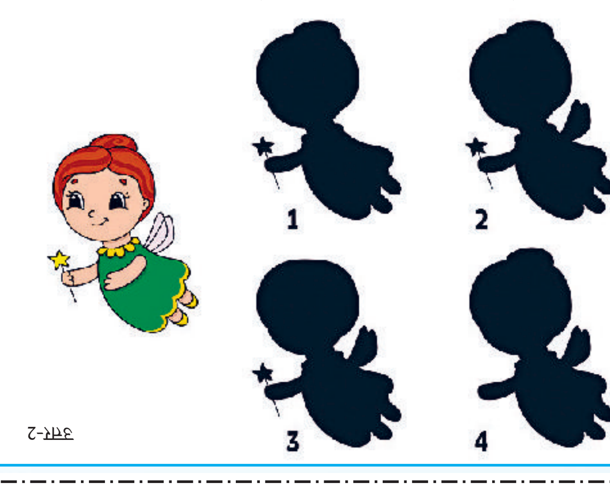

उत्तर-2

तापमान
अधिकतम 33.2 डिग्री
न्यूनतम 24.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

12 जल जीवन मिशन से कछारडीह में पेयजल...

12 भालूचुंवा व सिमगांव के कार्यक्रम में शामिल...

खबर संक्षेप

एक्सीडेंट में युवक घायल

महासमुंद। चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक में सवार एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने मामले में आरोपी वाहन चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस को प्रार्थी होरी लाल साहू ने बताया कि 12 अक्टूबर को अपने दोस्त गजेंद्र निषाद के साथ उसके मोटर सायकल क्र. सीजी 06 जीवी 7251 से दशहरा त्यौहार, दुर्गा विसर्जन देखने खरोरा गए थे। खरोरा से वापस महासमुंद लौटने के दौरान रायपुर रोड पर रात करीब 11 पीछे से आ रही जीप कंपास वाहन क्रमांक सीजी 06 जीजेड 1110 के चालक ने अपने वाहन को तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर बाइक को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिससे हम दोनों मोटर सायकल सहित वहीं गिर गए। घटना में गजेंद्र निषाद के बांये पैर, सिर में चोटें आई है। एक्सीडेंट से मोटर सायकल क्षतिग्रस्त हो गया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ 125(ए), 281 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

आबकारी टीम सांकरा ने अवैध शराब विक्रय के विरुद्ध की कार्रवाई

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी निधीष कोष्टी के मार्गदर्शन में बुधवार को मुखबिर सूचना के आधार पर आबकारी टीम सांकरा द्वारा बिजेपुर से गौरिया जंगल मुख्य मार्ग में नाकाबंदी कर दोपहिया वाहन से परिवहन करते आरोपी दुर्गेश बाघ (20 वर्ष) निवासी बिजेपुर थाना सांकरा के कब्जे से अवैध हाथ भट्ठी कच्ची महुआ शराब कुल मात्रा 10 लीटर जिसका बाजार मूल्य 2000 रुपए एवं जब्त वाहन का बाजार मूल्य लगभग 25000 रुपए, जिसे छग आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 59(क) के तहत विधिवत प्रकरण कायम कर गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्रवाई आबकारी वृत्त सांकरा प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक अनिल कुमार झारिया के नेतृत्व में की गई।

मामला सरायपाली ब्लाक के लिमउगुड़ा प्राथमिक शाला का

तालाबंदी के बाद शिक्षक की व्यवस्था के आदेश के बाद भी नहीं ली ज्वाइनिंग तो पालकों ने फिर दिया गेट पर धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद/सरायपाली

शिक्षक की कमी से जूझ रहे विकासखंड

- 14 अक्टूबर को पालकों द्वारा अपने बच्चों को स्कूल ना भेजकर स्कूल के मुख्य गेट में ताला लगा दिया था धरना

सरायपाली के लिमाऊगुड़ा प्राथमिक शाला में विगत 14 अक्टूबर को पालकों के द्वारा अपने बच्चों को स्कूल ना भेजकर स्कूल के मुख्य गेट में ताला लगाकर धरना दिया। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने तत्काल स्कूल के नजदीकी स्कूल कांकेन चुंवा के एक शिक्षक को व्यवस्था के लिए आदेशित किया। लेकिन, आदेश के तीन दिन बाद भी उक्त शिक्षक स्कूल नही पहुंचा तो एक बार फिर गुरुवार को शाला गेट के बाहर धरना दिया और शिक्षक की मांग की।

उल्लेखनीय है कि 14 अक्टूबर को ग्राम लिमाऊगुड़ा के पालकों ने एकल शिक्षकीय होने पर शिक्षक की मांग को लेकर स्कूल के मुख्य गेट में ताला जड़ दिया था।

लगभग 2 घंटा धरना प्रदर्शन करने के पश्चात शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश मांझी व बीआरसीसी सतीश स्वरूप पटेल मौके पर पहुंचे और पालकों की शिकायत को तत्काल गंभीरता से लेटे हुए पास में ही स्थित काकेनचुंवा के एक शिक्षक छबिलाल साव को व्यवस्था का आदेश दिया। लेकिन विकासखंड शिक्षा अधिकारी के आदेश को शिक्षक साव के द्वारा अवहेलना करते हुऐ आदेश के तीन दिन बाद भी लिमाऊगुड़ा स्कूल में ज्वाइनिंग नहीं लेने पर 17 अक्टूबर को पालक फिर एकजुट होकर अपने बच्चों को स्कूल ना भेजकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। शिक्षा विभाग के कोई भी अफसर मौके पर नहीं पहुंचा तो कलेक्टर महासमुंद के पास शिक्षक की मांग को लेकर शाला विकास समिति के अध्यक्ष सहित सदस्य पहुंच गए।

धान खरीदी: नवंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होगी धान खरीदी

उपार्जन केंद्रों में इस बार इलेक्ट्रानिक कांटे से होगी धान खरीदी, तैयारी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के किसान इस बार अपना धान इलेक्ट्रॉनिक कांटे में तौल कर बेचेंगे। जिले के धान खरीदी केंद्रों में इस साल से यह सुविधा पूरी तरह किसानों को मिल पाएगी। बता दें कि पिछले साल कुछ ही केंद्रों में इसकी सुविधा थी। जिले में समर्थन मूल्य पर धान करने तैयारी भी शुरू हो गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि नवंबर के दूसरे सप्ताह खरीदी शुरू हो सकती है। पिछले साल भी एक नवंबर से ही खरीदी की शुरुआत हुई थी। बता दें कि अब तक धान खरीदी के लिए स्पष्ट नीति निर्देश नही मिले हैं। लेकिन, आगामी सीजन को देखते हुए केंद्रों में इसकी तैयारी शुरु कर दी गई है। फिलहाल, किसान पंजीयन की प्रक्रिया जारी है।

जिला विपणन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 2400 नए गठान बारदाने आए गए हैं। लगभग 50 फीसदी बारदाने की आपूर्ति की जा चुकी है। 50 फीसदी खरीदी शुरू होने के बाद आएंगे। उपार्जन केंद्रों में अभी बारदाने भेजे नहीं गए हैं। इसके अलावा पुराने बारदानों का भी उपयोग धान खरीदी में किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक जिले में अभी 182 धान उपार्जन केंद्र हैं। इस साल धान खरीदी केंद्रों की संख्या 15 और बढ़ सकती है। पिछले साल 182 उपार्जन केंद्रों से 1 लाख 28 हजार 5540 मीट्रिक ट्रन धान की खरीदी हुई थी। 1 लाख 52 हजार 515 किसानों ने धान बेचा था। इस साल धान खरीदी का रिकॉर्ड टूट सकता है।

आगामी खरीफ सीजन में धान - खरीदी के लिए अब नीति व लक्ष्य - आने का इंतजार है। धान खरीदी केआंकड़ों पर गौर किया जाए तो हर ई साल लक्ष्य से ज्यादा धान की खरीदी होती है। जिला सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी अविनाश शर्मा ने बताया कि समितियों में नए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। इसके अलावा इस साल जिले के शत- प्रतिशत धान उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रानिक कांटे से धान खरीदने की तैयारी है। इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। सहायक खाद्य अधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि नए केंद्रों के प्रस्ताव भेजा गया है। अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। जिला विपणन अधिकारी ने बताया कि 24 हजार गठान नए बारदाने आ चुके हैं।

करीब 88 फीसदी ऋण का वितरण

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से जिले के पंजीकृत किसानों को लक्ष्य से 88 फीसदी ऋण का वितरण किया जा चुका है। 82 हजार से अधिक किसानों को करीब 425 करोड़ रुपए का ऋण का वितरण किया गया है। बैंक के मुताबिक ऋण वितरण की अंतिम तिथि समाप्त हो गई है। 30 सितंबर को अंतिम तिथि थी। जानकारी के मुताबिक इस साल जिले के पंजीकृत किसानों को 485 करोड़ रुपए ऋण वितरण करने का लक्ष्य रखा गया था। इस वर्ष लक्ष्य से कम ऋण वितरण हुआ है। 2024-25 में सबसे ज्यादा ऋण बागबाहरा विकासखंड के किसानों ने लिया है। अब किसान खेती-किसानी में जुट गए हैं।

नए किसानों का हो रहा पंजीयन

समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के लिए नए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। तीन महीने में करीब 800 नए किसानों ने ही पंजीयन कराया है। अब पंजीयन कराने के लिए उनके पास 18 दिन का समय और बाकी है। 31 अक्टूबर तक पंजीयन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। पिछले साल 11 हजार 248 किसानों ने पंजीयन कराया था। 626 किसानों का पंजीयन विभिन्न कारणों से निरस्त किया गया था। इस साल किसानों की संख्या बढ़ने पर धान की बंपर आवक होगी।

सात नए केंद्रों के लिए भेजा गया प्रस्ताव

जिले के सात नए धान खरीदी केंद्र खोलने के लिए खाद्य विभाग ने प्रस्ताव भेजा है। अभी तक प्रस्ताव को स्वीकृति नहीं मिली है। यदि प्रस्ताव को स्वीकृति मिलती है तो 10-15 केंद्रों की संख्या और बढ़ जाएगी। किसानों को अपनी उपज बेचने में काफी सहूलियत होगी। बताया जाता है कि नया धान खरीदी केंद्र बनाने के लिए 10-12 और गांवों के किसानों ने आवेदन किया है। पिछले साल 2023-24 में 13 नए केंद्र बनाए गए थे। खाद्य विभाग के पास नांदगांव, कौंदकेरा, गोड़बहाल, पतेरापाली आदि गांव से प्रस्ताव आए हैं।

फसल की कटाई नवंबर में प्रारंभ होगी

नवंबर महीने में फसल की कटाई शुरू होगी। अभी लंबी अवधि की फसल तैयार नहीं हुई है। किसान खेती-किसानी के काम में जुटे हुए हैं। हर साल समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत में शत- प्रतिशत केंद्रों में खरीदी नहीं हो पाती है। 10-15 दिन के बाद धान खरीदी की रफ्तार बढ़ती है। इस साल किसानों को अच्छी फसल मिलने की उम्मीद है।

जुआ खेल रहा युवक पुलिस के डर से तालाब में कूदा, दूसरे दिन मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जुआ खेल रहा युवक पुलिस की छापामार कार्रवाई में बचने के लिए तालाब में कूद गया। कतिपय तैरना नहीं आने के कारण वह तालाब में डूब गया और उसकी मौत हो गई। रातभर युवक के परिजन इंतजार करते रहे, पर देर सुबह तक घर वापिस न आने पर उसकी तलाश तालाब में की गई जो लगभग दोपहर 2 बजे बरामद हुई । समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने शव को चिरघर भेज दिया और अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से लगे ग्राम खरोरा के नया तालाब के पास लंबे समय से चल रहे जुए पर छापामार कार्रवाई करने कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। हर रात की तरह बुधवार को भी देर रात यहां जुआ खेला जा रहा था। छापामार कार्रवाई के दौरान 7 जुआरियों को पुलिस ने पकड़ा लेकिन, पकड़े जाने के डर से खरोरा निवासी युवक डीशील यादव (32) पास के नया तालाब में कूद गया। पुलिस ने काफी देर तक उसकी तलाश की पर उसका कुछ पता नहीं चला। इधर रात भर डीशील का उसके परिजन घर पर इंतजार करते रहे पर वह नहीं लौटा। जब सुबह डीशील के द्वारा तालाब में कूदने की जानकारी परिजनों को हुई तो तालाब में ग्रामीणों ने उसकी खोजबीन शुरू की और पुलिस में खबर दी गई। पुलिस द्वारा गोताखोर बुलाकर तालाब की तलाशी ली। दोपहर करीब एक बजे गोताखोरों द्वारा डीशील की लाश तालाब से बरामद की और पंचनामा कर पीएम के लिए भेजा। कोतवाली प्रभारी शरद दुबे ने बताया कि बुधवार को सात जुआरी जुआ खेकते पकड़े गये, जिनके पास से जुआ खेलने की सामग्री सहित 24 हजार 400 नकद राशि , आठ दुपहिया वाहन और 9 मोबाइल जब्त हुए हैं।

गांजा तस्करी के मामले में चार लोग गिरफ्तार

महासमुंद। गांजा की अवैध बिक्री और परिवहन के मामले में बलौदा पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चार किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत 80,000 रुपए को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि 13 अक्टूबर को ओडिशा की ओर से आने वाली संदिग्ध वाहन चेकिंग किया जा रहा था, चेकिंग के दौरान ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रही हीरो कंपनी के काले कलर मोटर सायकल एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 10 एक्यू 9317 को रोका गया वाहन में दो व्यक्ति सवार थे। वाहन को रोककर नाम पता पूछताछ करने पर अपने नाम महेश कुमार यादव पिता धनीराम यादव (21 वर्ष) निवासी बरेला थाना जरहागांव जिला मुंगेली व कोमल सोनकर पिता ठनक सोनकर (21 वर्ष) ठाकुरीकांपा थाना जरहागांव जिला मुंगेली का निवासी होना बताए। जिनके कब्जे से 4 किलो पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया और थाना बलौदा में धारा 20 (ख) नारकोटिक एक्ट तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण में आरोपियों के द्वारा उक्त गांजा को प्रहलाद धुरी, मुंगेली निवासी के कहने पर ओडिशा के झसकेतन राणा, बलांगीर ओडिशा निवासी से लाना बताए। जिसके आधार पुलिस के द्वारा मुंगेली व ओडिशा से दोनों आरोपी झसकेतन राणा पिता क्षमानिधि राणा (34 वर्ष) निवासी देउलगुड़ी थाना तुसरा जिला बलांगीर (ओडिशा) (4) प्रहलाद धुरी पिता सुरेश धुरी (26 वर्ष) बरेला थाना जराहागांव जिला मुंगेली को गिरफ्तार कर थाना बलौदा के उक्त प्रकरण में नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

पाल नौकायन शिविर में कैडेटों का जबरदस्त प्रदर्शन

महासमुंद। जिले के शहीद वीर नारायण सिंह जलाशय (कोडार बांध) में इन दिनों पाल नौकायन जारी है। शिविर में शामिल कैडेटों ने बुधवार को शिविर के 5वें दिन सुबह 7 बजे से नौकायन पर निकले, जो 15 किलोमीटर का सफर शफर तय करते हुए दोपहर 1 बजे वापस पहुंचे। इसके बाद नौकायन के दूसरे सत्र में फिर शाम 3 बजे सैलिंग एक्सपीडिसन की शुरुआत हुई। जिसमें पुन: 15 किमी का सफर तय करते हुए दिनभर में कुल 30 किलोमीटर का सफर किया। इस दौरान पानी की लहरों को चीरते हुए पाल नौकायन के दौरान कैडेटों में भारी उमंग और उत्साह देखा गया।

अक्टूबर में अब तक 16 खाद्य नमूना संकलित

खाद्य पदार्थों की जांची गई गुणवत्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के आदेशानुसार दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा गुणवता जांच एवं निरीक्षण कार्य सतत जारी है। इसी क्रम में ज्योति भानु, खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं शंखनाद भोई, खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अपने प्रभार क्षेत्र के अंतर्गत त्यौहारी सीजन में बहुतायत उपयोग होने वाले मिठाइयां एवं अन्य खाद्य पदार्थ चॉकलेट रोल, मगज लड्डू, रसगुल्ला, पेड़ा, बूंदी लड्डू, पेड़ा, जलेबी, कलाकंद, पेड़ा, मलाई कतली, राजभोग आटा, माउथ फेसनर, बिस्किट, गिट्स घी, अनिक घी तथा चावल के माह अक्टूबर 2024 में आज दिनांक तक कुल 16 खाद्य नमूना संकलित किया गया है। उक्त खाद्य नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला कालीबाड़ी रायपुर को प्रेषित किए गए है। ज्ञातव्य है कि विगत दो माह में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी महासमुंद के न्यायालय द्वारा कुल 03 प्रकरणों में कुल 110000 के अर्थदंड से दंडित किया गया है। तथा उक्त फर्म को सचेत किया गया है। अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरिशंकर पैकरा ने बताया कि माह अगस्त एवं सितंबर 2024 में विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 36 नमूना संकलित कर जांच के लिए परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर को प्रेषित किया गया है। जिसमें से 08 के रिपोर्ट प्राप्त हुए है। 02 खाद्य पदार्थ को अवमानक घोषित किया गया है तथा 02 खाद्य पदार्थों के लेबल परीक्षण में मिथ्याछाप पाया गया है। शेष खाद्य पदार्थों के रिपोर्ट अप्राप्त है। खाद्य पदार्थों के जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत संबंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से भी जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन जांच एवं निरीक्षण किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं चलित प्रयोगशाला की टीम द्वारा अखाद्य रंगों के उपयोग नहीं करने तथा तले हुए खाद्य पदार्थों को अखबारी पेपर से नहीं परोसने के सख्त निर्देश दिए गए है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट के रोकथाम के लिए त्यौहारी सीजन में बहुतायत उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों के चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा जांच किया जा रहा है तथा विधिक एवं सर्विलेंस नमूना संकलित कर जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर को प्रेषित किया जा रहा है।

पाठक सूचना

महासमुंद जिले में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें

9981131365, 9098324969

खबर संक्षेप

शिक्षा मनुष्य के जीवन का उपहारः तुषार

महासमुंद। ग्राम रायमुड़ा के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू शामिल हुए। आयोजन समिति द्वारा चंदन गुलाल लगाकर कर स्वागत किया गया। भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का उपहार है, जो व्यक्ति के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल देती है और संस्कार जीवन का सार है। जिसके माध्यम से मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है। जब मनुष्य में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास होगा, तभी वह परिवार, समाज और देश के विकास की ओर अग्रसर होगा। कार्यक्रम में गेंदराम कागजी, सेवा राम ठाकुर, सुरेश ठाकुर, भानु ठाकुर, द्वारिका पटेल, रामलाल ठाकुर अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दिव्य उत्सव में 200 से अधिक छात्रों ने लिया भाग

रायपुर। दिव्य उत्सव 2.0 का आयोजन बड़ी सफलता के साथ संपन्न हुआ, जिसमें 8 स्कूलों के 200 से अधिक छात्रों और दो स्वयं सहायता समूहों, पटोरा और उपवार ने भाग लिया। यह कार्यक्रम बच्चों को सशक्त बनाने और उनकी रचनात्मकता को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उत्सव की शुरुआत उत्साहपूर्ण वातावरण में फ्लैग बलून्स के वितरण के साथ हुई, जो कार्यक्रम की उत्सवी भावना का प्रतीक बने। वायआई रायपुर के को-चेयर गौरव अग्रवाल ने उद्घाटन भाषण में बच्चों की भागीदारी और सामुदायिक विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में पंकज सोमानी ने छात्रों को उनके लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया, साथ ही उन्हें हार न मानने की सलाह दी।

आचार्य विद्यासागर के जन्मोत्सव पर आचार्य छत्तीसी विधान

रायपुर। आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के निर्वाण के पश्चात प्रथम जन्मोत्सव (शरद पूर्णिमा) के उपलक्ष्य में बुधवार को प्रात : आचार्य छत्तीसी विधान किया गया। खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर सन्मति नगर, फाफाडीह के अध्यक्ष अरविंद बड़जात्या एवं सचिव सुरेश पाटनी ने बताया कि, इस मौके पर 36 गुनधारी आचार्य भगवंत का विशिष्ट संबंध और उनके उपकारों का स्मरण किया गया। पूरे छत्तीसगढ़ के जैन मंदिरों में एक ही समय पर आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन कर समाज की अखंडता एवं आचार्यश्री के प्रति सच्ची श्रध्दांजलि व्यक्त की गई। यह जानकारी पंचायत के प्रचार सचिव अतुल गोधा ने देते हुए बताया कि इसी तारम्य में श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल मंदिर का नाम भी गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड्स में दर्ज होने की संभावना है। विदित हो कि वर्ष 2024-25 को आचार्य शांतिसागर महाराज के आचार्य पदारोहण के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

डीएमएफ घोटाले पर ईडी की कार्रवाई का स्वागत

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने जिला खनिज निधि में हुए घोटाले में ईडी द्वारा की गयी गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राज्य के कोरबा, दंतेवाड़ा, जांजगीर चांपा, बलौदा बाजार और रायगढ़ में जिला खनिज निधि में लगभग 50 हजार करोड़ की बंदरबांट और घोटाले की सबसे पहले जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने 8 जून 2021 को प्रधान मंत्री और 1 जून को ईडी को लिखित में दस्तावेजी प्रमाण के साथ शिकायत की थी। मुझे खुशी है आज इस मामले में ईडी ने पहली गिरफ्तारी की है।

मुख्यमंत्री से धान खरीदी 25 से करने का किया अनुरोध

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने किसान हित में दीपावली पर्व को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार से 25 अक्टूबर से धान खरीदी का निर्णय लेने का अनुरोध किया है।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों से ली जांच व उपचार की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सरायपाली

महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ एस आलोक,एसडीएम सरायपाली नम्रता चौबे व तहसीलदार श्रीधर पंडा के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया जहां पर कलेक्टर के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य के वार्डो में भर्ती मरीज वह परिजनों से मिलकर डॉक्टर के द्वारा नियमित जांच व इलाज का फीडबैक लिया। इसी कड़ी में एनआरसी में भर्ती बच्चों के माताओं, प्रसव के लिए आए महिलाओं से मिलकर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी, ब्लड स्टोरेज सेंटर व अस्पताल परिसर के साफ-सफाई का निरीक्षण किया। बीएमओ को सभी डॉक्टरों का नियमित रूप से निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने, जीवनदीप समिति की नियमित बैठक आयोजित करने व अस्पताल में आने वाले मरीज को त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने तथा जरूरतमंदों को ब्लड डोनेट शिविर आयोजित कर ब्लड स्टोरेज सुविधा का लाभ प्रदान कराने हेतु पहल करने हेतु निर्देशित किया गया स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ वी ए के कोसरिया, डॉक्टर कुणाल नायक, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी टीआर धृतलहरे व विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक शीतल सिंह उपस्थित रहे।

कृषक विद्यालय में मनाया गया विश्व विद्यार्थी दिवस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सरायपाली

कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटसेंद्री में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा कार्यक्रम अधिकारी सोमेश्वर प्रसाद नायक एवं सहायक जन्मजय पटेल के निर्देशन में विद्यालय सभागृह में 15 अक्टूबर को भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिन को विश्व विद्यार्थी दिवस तथा ग्लोबल हैंडवाशिंग डे के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे, स्वामी विवेकानंद एवं डॉ कलाम के छायाचित्र में दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम अधिकारी नायक ने बताया कि डॉ. कलाम का पूरा नाम अबुल पाकीर जैनुलअब्दीन अब्दुल कलाम था, इनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु में एक तमिल मुस्लिम परिवार में हुआ था। डॉ. कलाम एक शिक्षक, वैज्ञानिक थे, इन्होंने साइंस एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया। इनका अधिकांश समय छात्रों, युवाओं को प्रेरित करने, मार्गदर्शन करने में व्यतीत हुआ। दुनियाभर के विद्यार्थियों के उन्नति तरक्की के प्रति समर्पण को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2010 में उनके 79वां जन्म दिवस को इनके सम्मान में पहली बार वर्ल्ड स्टूडेंट डे के रूप में मनाने पर सहमति बनी, तब से प्रत्येक वर्ष 15 अक्टूबर को पूरे विश्व में विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 15 अक्टूबर को ही विश्व हाथ धुलाई दिवस पर जेजे पटेल ने बताया कि कोरोना काल के बाद प्रायः प्रत्येक व्यक्ति को हाथ धोने के महत्व समझ आ चुका है, पर कोरोना काल के गुजर जाने के बाद भी हाथ धोते रहना आवश्यक है क्योंकि, बहुत से बीमारियों का कारण हमारे दूषित हाथ होते हैं। हाथ धोने के तरीका बताते हुए समय-समय पर हाथ धोते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक खिलेश्वरी दास, नवीना दास, विमला प्रधान, हेमलता यादव, जागेसिनी मानिकपुरी, मानसी विशाल, पूजा सिदार, रश्मि साहू, चंद्रशेखर सिदार, चंद्रशेखर साव, दीपेश भोई, गोकुल चौहान, खीरसागर पटेल, रोशन पटेल, सत्यम सेठ, यशवंत साव, यशवंत दास, अनिशा सारथी, चांदनी दास, दिव्या भोई, दिव्या साव, काजल दास, किरण बरिहा, निशा निषाद, रंजना यदु, सुहानी बरिहा, दिनेश विशाल, गजेंद्र साहू, हितेश दास, किशन चौहान, मितेश प्रधान, निखिल सेठ, ओमप्रकाश साव, तरुण बरिहा, तारक पटेल, योगेश डडसेना आदि मौजूद रहे।

ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। सड़क किनारे खड़े ट्रकों से डीजल चोरी के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से डीजल 270 लीटर डीजल जब्त किया गया है। यह कार्रवाई सायबर सेल एवं पटेवा पुलिस ने संयुक्त रूप से की। पुलिस ने बताया कि 9 अक्टूबर के रात्रि करीबन 7 बजे हाईवा वाहन क्रमांक सीजी 06 एचबी 9666 को ड्राइवर सुशील यादव प्रार्थी के घर के सामने खड़ा कर लॉक किया था। 10 अक्टूबर की सुबह करीबन 7 बजे दूसरा ड्राइवर किशन लाल साहू द्वारा हाईवा वाहन को चेक किया तो वाहन की टंकी का ढक्कन खुला हुआ था और उसमें डीजल नहीं था। प्रार्थी को जब यह बात किशन लाल साहू ने बताई तो उसने अपने घर में लगे सीसी कैमरा को चेक किया तो पता चला कि सुबह लगभग 4 बजे से 4.30 बजे के मध्य 409 जैसा हाफ डाला वाला वाहन से तीन लोग घर के सामने खड़े हाईवा की टंकी को खोलकर टंकी में पाईप लगाकर डीजल खींचते हुए दिखाई दिए। जिस पर प्रार्थी ने वाहन की टंकी से लगभग 300 लीटर डीजल कीमत करीबन 27,900 रुपए को तीन लोगों द्वारा चोरी किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट पर थाना पटेवा में आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी बीच विवेचना के दौरान पुलिस की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा के लोग डीजल चोरी करने छत्तीसगढ़ की ओर आए हैं। इसके बाद ओडिसा

से तीन संदिग्ध व्यक्ति अली मोहम्मद कादरी पिता मोहम्मद इकबाल कादरी (43 वर्ष) वार्ड नंबर 15 मोंगराघाली खरियार रोड थाना जोंक जिला नुवापाड़ा (ओडिशा), मोहम्मद फरहान पिता मोहम्मद उस्मान (26 वर्ष) वार्ड नंबर 13 पटेल नगर खरियार रोड थाना जोंक जिला नुवापाड़ा (ओडिशा) तथा हबीब खान पिता अजमेरी खान (42 वर्ष) पता- ग्राम गड़रोली मक्सी थाना मक्सी जिला साजापुर (मध्यप्रदेश) से पूछताछ में आरोपियों ने छत्तीसगढ महासमुंद में रेकी कर अशोक लीलेंड इकोमेट वाहन क्रमांक सीजी 04 एनआर 5718 से 10 अक्टूबर की रात में झलप में हाईवा से करीबन 300 लीटर डीजल चोरी किया। 12 अक्टूबर को ओडिशा राज्य से लगे छत्तीसगढ़ राज्य के अन्य जगहों से लगभग 250 लीटर डीजल चोरी किया है। आरोपियों ने बताया किचोरी करने के बाद हम लोग वार्ड नं 15 में स्थित कर्मा चौक के मकान में वाहन व डीजल सहित जाकर रुकते थे, और घर से जाने के बाद शाकिर खान, आजाद खां, मो. हबीब खां तथा लाला खां वहीं रुकते थे। 13 अक्टूबर को सभी ने चोरी किए हुए डीजल का बंटवारा किया है। आरोपियों के कब्जे से डीजल 270 लीटर कीमत 24300 रुपए, अशोक लीलेंड इकोमेट वाहन कीमत 10,00,000 रुपए तथा 03 नग मोबाइल कीमत 15000 रुपए कुल कीमत 10,39,300 रुपए को जब्त कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। मामले में फरार 03 आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

सक्रिय सदस्यता के लिए भाजपा ने की प्रभारियों की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महासमुंद

भारतीय जनता पार्टी ने पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में सक्रिय सदस्यता के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की है। महासमुंद जिले से जिला संयोजक के रूप में पूर्व विधायक व प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ विमल चोपड़ा को नियुक्त किया गया। सक्रिय सदस्यता 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2024 तक चलेगी। जिसमें प्रत्येक जिले में जिला संयोजक, मंडल संयोजक एवं मंडल सहसंयोजक को नियुक्त किया गया, जिन्हें सक्रिय सदस्यता ग्रहण करवाने का प्रभार दिया गया। डॉ चोपड़ा ने कहा कि जिला अध्यक्ष संजय शर्मा के साथ विचारविमर्श कर जिला स्तर पर पार्टी की समिति बनाई गई है। जिसके सदस्य प्रीतम दीवान और रामलाल चौहान हैं, जिनके दिशा निर्देश और मार्गदर्शन में सक्रिय सदस्यता के लिए रूपरेखा बनाई गई है,

जिससे अधिक संख्या में लोग पार्टी के सक्रिय सदस्य बन सकें। डॉ चोपड़ा ने आगे बताया कि भाजपा देश को विकसित करने के लिए समर्पित है, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। लोगों को देश के विकास में भाग लेने के लिए, भाजपा से जुड़कर एक अच्छे और जागरूक नागरिक और विकास का भागीदारी बनना चाहिए। जिला महासमुंद के कुल 18 मंडलों में सक्रिय सदस्यता प्रभारियों में 18 मंडल संयोजक एवं 22 मंडल सह संयोजक नियुक्त किए गए हैं, जिन्हें प्रत्येक मंडल में 200 सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है, जो जिला संयोजक व पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा, संजय शर्मा, प्रीतम दीवान और रामलाल चौहान के दिशा निर्देश और मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।

लाखेनगर चौक का होगा सौंदर्यीकरण, नजर आएगी पहाड़ी मैना की सुंदर प्रतिकृति

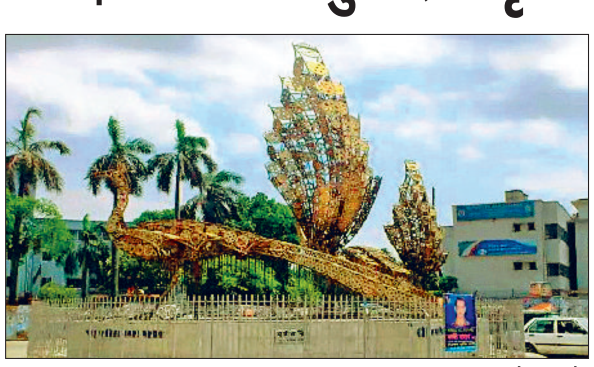

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

शहर के लाखे नगर चौक में अब पहाड़ी मैना की सुंदर प्रतिकृति लोगों को लुभाएगी। सड़क चौड़ीकरण के बाद नगर निगम इस चौक को संवारने में जुटा हुआ है। सीएसआर मद से चौक सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है, ताकि इसकी सुंदरता बनी रहे। राजधानी के मुख्य मार्गों के चौराहों को सुंदर बनाने सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। विभिन्न उद्योग समूहों और व्यावसायिक संस्थाओं के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में जोन 5 क्षेत्र स्थित लाखे नगर चौक को संवारने पहाड़ी मैना की सुंदर प्रतिकृति लगाई जाएगी। सन एंड सन ज्वेलर्स के सहयोग से सीएएसआर मद में यह कार्य पूरा होगा। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने लाखेनगर चौक का निरीक्षण कर चौराहे के सौंदर्यीकरण की ड्राइंग डिजाइन का अवलोकन सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद, जोन कमिश्नर विमल शर्मा की उपस्थिति में किया। श्री मिश्रा ने चौक के सौंदर्यीकरण कार्य की नियमित रूप से मानिटरिंग करने निर्देश दिए। विदित हो, शहर में जीई रोड, विधानसभा रोड, वीआईपी रोड, एक्सप्रेस वे मार्गों पर विभिन्न उद्योग समूहों, व्यावसायिक संस्थानों के सहयोग से सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जा रहा है।

सेल कर्मियों को भारी पड़ रही वेतन समझौता में लेटलतीफी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल कर्मचारियों के लंबित अपूर्ण वेतन समझौता के अब तक मुकम्मल नहीं किए जाने से कर्मचारियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। इससे उनमें असंतोष बढ़ रहा है। यूनियनों के मुताबिक सेल में धरने के बाद अब हड़ताल के ऐलान के बाद भी सेल प्रबंधन उदासीन बना हुआ है। सेल वेतन समझौता में उच्च प्रबंधन की लेटलतीफी के चलते हजारों कर्मचारियों को हजारों रुपए का घाटा हो रहा है। यूनयनों के मुताबिक कर्मचारियों को मात्र दो प्रतिशत कम एमजीबी देने और 8. 5 फीसदी पर्क्स देने से सेल प्रबंधन को प्रति कर्मचारी 5 हजार से 20 हजार रुपए फायदा हो रहा है। वहीं 39 महीने के लंबित एरियर्स,बंद सुविधाएं, छुट्टियों में अंतर, पीएफ और ग्रेच्युटी सीलिंग आदि को जोड़ लें तो 1/3 वेतन का घोटाला प्रति माह हो रहा है। बीडब्ल्यू के मुताबिक लंबित वेतन समझौता को अब तक पूर्ण नहीं किए जाने से सेल के हर कर्मचारी को 5 से 20 हजार रुपए का नुकसान हो रहा है। गौरतलब हो कि दो साल पूर्व हुई एनजेबीएस बैठक में हुआ वेतन समझौता अपूर्ण व विवादित था। एनजेसीएस व लोकल यूनियनें तब से लगातार समझौता की विसंगतियो को दूर कर लंबित 30 माह के एरियर्स, एचआरए आदि भुगतान की मांग कर रहीं हैं। लेकिन प्रबंधन उदासीन बना हुआ है।

धरने के बाद हड़ताल की तैयारी

वेतन समझौता को लेकर उच्च प्रबंधन की लेटलतीफी देख केंद्रीय व लोकल यूनियनों द्वारा सेलव्यापी चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। इसके तहत अधूरे वेतन समझौता को पूर्ण कर 39 महीने के एरियर्स भुगतान, एचआरए देने, बोनस फार्मूला बदलने, ठेका मजदूरों को एस 1 ग्रेड का वेतन देने और बीस हजार बोनस आदि मांगों को लेकर बोनस बैठक बेनतीजा खत्म होने के बाद एनजेसीएस यूनियनों द्वारा चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया गया था। इसके तहत बीएसपी सहित सेल की सभी यूनिटों में 5 अक्टूबर को प्रदर्शन व 14 अक्टूबर को धरना दिया गया था। भिलाई में संयुक्त यूनियन ने धरना दिया था। अगले चरण में मांगें पूरी नही होने पर 28 अक्टूबर को पूरे सेल में हड़ताल का ऐलान किया गया है।

चाकू से हमला करने वाले दो युवक समेत अपचारी बालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

गरबा नृत्य बंद होने की बात को लेकर दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत तीन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा धारा 109.3 (5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि न्यू खुर्सीपार निवासी सुनील धृतलहरे अपने मोहल्ले की समिति मां वैष्णो मित्र मंडल के सदस्यो के साथ पंडित नेहरू स्कूल में गरबा कार्यक्रम देख रहा था। तभी रात 10:30 बजे गरबा कार्यक्रम बंद करवा रहे थे इस दौरान जुगनू उर्फ हरिशंकर, लोकेश्वर सोनवानी, कृष्णा शर्मा उर्फ बैगा पहुचे। गरबा कार्यक्रम को क्यो बंद करने की बात को लेकर विवाद करने लगे। बाक्स नही बजाने की बात को लेकर जुगनू आक्रोशित होकर जान से मारने की धमकी देकर पीड़ित को अपने जेब में रखे धारदार चाकू से हमला कर फरार हो गया। घटना में पीड़ित को दाहिने सीने के नीचे चोट आई है। बीच बचाव करने राहुल केसरवानी और आकाश चौहान पहुचे थे । तब आरोपी जुगनू के साथी लोकेश्वर सोनवानी ने अपनी जेब से धारदार चाकू निकालकर आकाश चौहान के नाभी के नीचे गुप्तांग के पास जोरदार प्रहार कर दिया। जुगनू का दूसरा साथी कृष्णा शर्मा ऊर्फ बैगा ने राहुल केसरवानी को दाहिने कमर पर चाकू से हमला कर फरार हो गए। खबर लगने पर खुर्सीपार टीआई अंबर सिंह भरतद्वाज की टीम के साथ घटनास्थल पहुचे गंभीर रुप से घायल को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल सुपेला ले जाया गया।

सीईओ कंगाले ने कहा- लोकसभा चुनाव के बराबर होंगे 253 मतदान केंद्र

उपचुनाव : सुरक्षा बलों की पांच कंपनियों की तैनाती

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि 13 नवंबर को रायपुर दक्षिण विधानसभा में उपचुनाव होना है। चुनाव को लेकर सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इस दौरान सुरक्षा बलों की 5 कंपनियां तैनात की जाएंगी। मतदाता पहचान पत्र के आधार पर ही मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि इसके साथ ही 12 अन्य पहचान पत्र भी मान्य किए गए हैं। चुनाव की घोषणा होते ही रायपुर दक्षिण विधानसभा में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई है। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट अनारक्षित सीट है। रायपुर दक्षिण विधानसभा में 253 मतदान केंद्र होंगे। कुल मतदाताओं की संख्या 2 लाख 70 हजार 936 है, जिसमें पुरुष मतदाता की संख्या 1 लाख 33 हजार 713 और महिला मतदाता की संख्या 1 लाख 37 हजार 171 है। इस सीट पर महिला मतदाता की संख्या पुरुष मतदाता से अधिक है। थर्ड जेंडर के कुल मतदाताओं की संख्या 52 है। रायपुर दक्षिण विधानसभा में सेवा मतदाताओं की संख्या 59 है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1188 है।

5014 करेंगे पहली बार मतदान: 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 5014 है, जो पहली बार मतदान करेंगे। 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 1711 है। 100 साल की आयु पूर करने वाले मतदाताओं की संख्या 56 है। 85 आयु वर्ग के मतदाता अगर घर पर मतदान करना चाहते हैं, यानी कि डाक मत पत्र से तो 18 अक्टूबर से 5 दिनों के अंदर आवेदन कर सकते हैं या फिर मतदान केंद्र में मतदान कर सकते हैं।

ऐसा होगा चुनाव कार्यक्रम

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उप चुनाव 13 नवंबर को होना है, जिसके लिए निर्वाचन आयोग ने अपनी तैयारी भी पूरी कर ली है। रायपुर दक्षिण विधानसभा में आचार संहिता भी लागू हो गई है, इस दौरान सुरक्षा बलों की 5 कंपनियां भी तैनात की जाएंगी। अधिसूचना का प्रकाशन 18 अक्टूबर को होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की समीक्षा 28 अक्टूबर होगी। नाम वापसी 30 अक्टूबर को रहेगी। मतदान 13 नवंबर को और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

धान खरीदी की तिथि कम करना सरकार की बदनीयती : बैज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 14 नवंबर से धान खरीदी के निर्णय से सरकार की नीयत में खोट साफ नजर आ रहा है। सरकार ने 14 नवंबर से 31 जनवरी तक धान खरीदी का निर्णय लिया है। सरकार धान खरीदी 14 दिन कम करेगी। यदि शुरुआत देर से की जा रही है, तो खरीदी की अंतिम तिथि को 15 दिन आगे बढ़ाना चाहिये, ताकि सभी किसानों का धान समर्थन मूल्य पर बिक सके। खरीदी अवधि कम करना भाजपा सरकार बदनीयती का प्रमाण है। उन्होंने मांग की है कि सरकार किसानों का बकाया राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त का भुगतान दीपावली से पहले करे, ताकि किसान दीपावली मना सकें। उन्होंने कहा, सरकार की घोषणा के अनुसार 14 नवंबर से 31 जनवरी तक कुल 75 दिन के अंदर धान खरीदी का लक्ष्य है, इसमें से 35 दिनों लगभग एक महीना से अधिक छुट्टी है, अर्थात मात्र 40 दिन ही सरकार धान खरीदी करेगी।

40 दिनों में 30 लाख से अधिक किसानों के धान की खरीदी संभव नहीं। पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़ी है, रकबा बढ़ा है। पैदावार भी ज्यादा हुई है। प्रति एकड़ खरीदी की लिमिट भी बढ़ी है, फिर खरीदी की अवधि कम करने का आधार क्या है? उन्होंने कहा, भाजपा सरकार इस वर्ष धान की खरीदी 3217 रुपए में करे, क्योंकि 3100 रुपए भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। केंद्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रुपए बढ़ा दिया है, इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रुपए से बढ़ाकर 3217 रुपए किया जाये।

खबर संक्षेप

सोनपुर में संकुल स्तरीय नवोदय कोचिंग का शुभारंभ

बसना। संकुल केंद्र बरपानी के शिक्षकों द्वारा शाउमा के प्राचार्य रघुनंदन पटेल के मुख्य आतिथ्य में शासकीय प्राथमिक शाला सोनपुर में संकुल स्तरीय नवोदय कोचिंग सेंटर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य पटेल ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि संकुल बरपानी में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई युग की शुरुआत हुई है। बरपानी संकुल समन्वयक पुरुषोत्तम वर्मा ने इस कदम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे बच्चों का बेहतर भविष्य बनेगा। ज्ञात हो कि इस कोचिंग सेंटर से बरपानी संकुल के प्राथमिक विद्यालय से 34 बच्चे लाभान्वित होंगे, जिन्हें संकुल केंद्र के अनुभवी शिक्षकों का सतत सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम में शासकीय प्राथमिक शाला सोनपुर के प्रधान पाठक मिथिलेश साहू, पूर्व माध्यमिक शाला सोनपुर के प्रधान पाठक कमल नयन साहू, नदिया पारा सोनपुर के प्रधान पाठक बसंत ध्रुव, बांसुलडीह सोनपुर के प्रधान पाठक नेताम, डीपा पारा सोनपुर के प्रधान पाठक ठाकुर, विजय शंकर पटेल, अशोक पटेल, मनी राम मैत्री व पालक वर्ग मौजूद रहे।

धनतेरस 30 अक्टूबर को

महासमुंद। श्री सत्यनारायण मंदिर खट्टी के पुजारी पं. सुभाष शर्मा ने दीपावली उत्सव के दौरान होने वाले पर्व के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि धनतेरस 30 अक्टूबर, नरक चतुर्दशी 31 को, 1 नवंबर को महालक्ष्मी पूजन, 2 को अन्नकूट, गोवर्धन पूजा और 3 नवंबर को भाईदूज मनाया जाएगा। वहीं 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी, तुलसी विवाह का पर्व मनाया जाएगा।

स्काउट-गाइड संघ जिला कार्यकारिणी एवं परिषद की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला कार्यकारिणी एवं परिषद की बैठक स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक शाला में संघ के जिलाध्यक्ष येतराम साहू की अध्यक्षता तथा जिला मुख्य आयुक्त चंद्रहास चंद्राकर, जिला सलाहकार दाउलाल चंद्राकर, उपाध्यक्षगण जय पवार, आनंद साहू, अशोक अग्रवाल, धर्मशीलादास, एस चंद्रसेन, सुधा साहू एवं जिला से आए विकासखंड के पदाधिकारियों, स्काउर गाइडर की उपस्थिति में हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसमें संरक्षक के रूप में सांसद रूपकुमारी चौधरी, जिला के चारों विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा विधायक महासमुंद, द्वारिकाधीश यादव विधायक खल्लारी, संपत अग्रवाल विधायक बसना, चातुरी नंद विधायक सरायपाली, विनोद सेवनलाल चंद्राकर पूर्व राज्य मुख्य आयुक्त को संरक्षक बनाया गया। सम्मानित सदस्य के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, जनपद अध्यक्ष यतेंद्र साहू, नगर पालिका अध्यक्ष राशि त्रिभुवन महिलांग, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डा. विमल चोपड़ा, पूर्व जिलाध्यक्ष पारस चोपड़ा, संदीप दीवान, सतपाल पाली, समाज सेवी मदन देवांगन, निरंजना शर्मा, राहुल चंद्राकर, रत्नेश सोनी, माधवराव

टांकसाले, नुकेश चंद्राकर तथा जिला आयुक्त स्काउट एमआर सावंत जिला शिक्षा अधिकारी, जिला आयुक्त गाइड अमी रूफस, जिला सचिव प्रमोद कुमार कन्नौजे, जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार नायक, संयुक्त सचिव अर्चना तिवारी, सहसचिव राजीव तिवारी, सहायक जिला आयुक्त स्काउट में सभी विकासखंड के विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिन्हा महासमुंद, केके वर्मा बागबाहरा, केके ठाकुर पिथौरा, जेआर डहरिया बसना, पीसी मांझी सरायपाली, सहायक जिला आयुक्त गाइड में तामेश्वरी साहू, पुरी हरपाल, यमुना पांडेय, मनीषा ध्रुव, गीता तिवारी, मुख्यालय आयुक्त स्काउट नंद किशोर सिन्हा सहायक संचालक, रामकुमार साहू पूर्व जिला सचिव, मनीष बंशल आजीवन सदस्य, भोजराम यादव मुख्यालय आयुक्त गाइड अंजली बरमाल, डा. मंजू शर्मा, डा. वाणी तिवारी, हीना ढालेन, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट संतोष कुमार साहू, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड लीलिमा साहू, जिला क्वाटर मास्टर राम कुमार नायक, जिला संगठन आयुक्त स्काउट अवधेश विश्वकर्मा, जिला संगठन आयुक्त गाइड लीनू चंद्राकर, सहयोजित सदस्य के रूप में जागेश्वर सिन्हा बीआरसीसी, राजेश शर्मा रोवर लीडर, योगेश्वर डड़सेना रोवर लीडर, डिगेश्वर साहू, उत्तम वर्मा, असिस्टेंट लीडर ट्रेनर स्काउट गिरीश कुमार पाढ़ी, मधु शर्मा, गौरी मावले, लीलिमा साहू, जिला ट्रेनिंग काउंसलर कमल लुनिया, लता वैष्णव, जेनेबिवा तिर्की, दिलीप निषाद, कुसुम कोटक, चंद्रकांता ठाकुर, जिला आजीवन सदस्य प्रतिनिधि पंकज हरपाल, मनीष शर्मा, स्वप्निल तिवारी, संजय शर्मा, मीना वर्मा, मंजू साहू, सामान्य सदस्य प्रतिनिधि शशि चंद्राकर, सुजाता विश्वनाथन, प्रमोद कुमार चंद्राकर, भूमिका लूनिया, लोकेश चंद्राकर, राज्य परिषद सदस्य सुरेंद्र मानिकपुरी, तुलेंद्र सागर, सुशील शर्मा, मधु शर्मा, चंद्रकांता महिलवार, बिलासा बाघ को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर जिला के सभी स्काउटर गाइडर विकासखंड के सभी सचिव पदाधिकारी उपस्थित रहे।

10 ग्रामों में स्वयंसेवक ने चलाया ब्लॉक स्तरीय एड्स जागरुकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- कार्यक्रम में शामिल रासेयो कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयं सेवकों का प्रमाण पत्र से किया गया सम्मानित

जिले में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय एड्स जागरुकता कार्यक्रम डॉ नीता बाजपेयी राज्य रासेयो अधिकारी उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार चयनित 10 ग्रामों में डॉ. अनुसुइया अग्रवाल प्राचार्य शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं डॉ. मालती तिवारी कार्यक्रम नोडल व जिला संगठक रासेयो के मार्गदर्शन में चलाया गया। जिसमें दोनों दिवस चयनित 10 ग्रामों में स्वयंसेवकों द्वारा एड्स/एचआईवी रोग के प्रति लोगों को डोर टू डोर सर्वे, नुक्कड़ नाटक, गांवों में नारा लेखन कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया गया।

इस दो दिवसीय एड्स जागरुकता कार्यक्रम का समापन शहर में स्थित संजय कानन उद्यान में किया गया। समापन

कार्यक्रम में डॉ. मालती तिवारी नोडल एवं जिला संगठक रासेयो, अजय कुमार राजा सहायक नोडल व कार्यक्रम अधिकारी रासेयो पीजी कालेज, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सरस्वती वर्मा शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय, राजेश्वरी सोनी पीजी कॉलेज, निर्मल बंजारे श्याम बालाजी बीएड कॉलेज, चुम्मन लाल निषाद इंडियन कॉलेज, गायत्री चंद्राकर शांत्री बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय उपस्थित रहे। डॉ मालती तिवारी ने कहा कि 10 ग्रामों में बहुत अच्छे तरीके से लोगों को एड्स के बारे में जागरूक किया, उनसे होने वाले दुष्प्रभाव से लोगों को अवगत कराया एवं एड्स हेल्पलाइन नंबर 1097 को सभी ग्रामों को अवगत कराया, यह बहुत ही उत्कृष्ट एवं रमणीय कार्य है।

अजय कुमार राजा ने स्वयंसेवकों को सिपाही शब्द से संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार बॉर्डर में सिपाही देश में होने वाले खतरों से बचाते है, उसी प्रकार सभी स्वयंसेवक देश के अंदर समाज के बीच में रहकर समाज में होने वाले विभिन्न कुप्रभावों से बचाते है इसलिए आप सभी को सिपाही कहने पर कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सभी इकाई के स्वयंसेवक द्वारा ग्राम में लोगों बीच जाकर लोगों को एड्स या एचआईवी जैसे खतरनाक बीमारी के बारे में जागरूक करना बहुत ही नेक कार्य है, इसकी जानकारी से लोग अपने एवं आसपास में इस प्रकार से एड्स प्रभावित लोगों को जागरूक करना एक नई पहल होगा।

समापन कार्यक्रम में महासमुंद ब्लॉक के 5 महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं 100 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। सभी सम्मिलित कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवकों को जागरुकता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ. मालती तिवारी द्वारा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 10 ग्राम में लगभग 920 लोगों को एड्स के प्रति लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी सहित स्वयंसेवक गोपी सिन्हा, मनोज देवांगन, खुशबू कन्नौजे, भुनेश्वरी, उर्मिला, दामिनी, कावेरी साहू, देवयानी बंजारे, सीमा साहू, यमन सिन्हा, नीलम साहू, उमेश साहू, नीरज चंद्राकर, ख्याति चंद्राकर आदि मौजूद रहे।

लामीसरार में आयोजित कबड्डी स्पर्धा में शामिल हुए विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बागबाहरा

खल्लारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत उखरा के अंतर्गत आने वाले ग्राम लामीसरार में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता पूर्व संसदीय सचिव व वर्तमान विधायक द्वारिकाधीश यादव के मुख्य आतिथ्य में हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोमाखान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष पटेल ने की। विशेष अतिथि की आसंदी परसरपंच प्रतिनिधि ईश्वर ठाकुर रहे।

प्रतियोगिता की शुरुआत ग्राम देवी देवताओं की पूजा अर्चना से हुई। तत्पश्चात अतिथियों से प्रतियोगिता में पहुंची हुई विभिन्न टीमों का परिचय कराया गया। इसके बाद विधिवत ग्रामीण प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन मनोज सागर ने किया।

इस अवसर पर ग्राम पटेल तुकाराम ठाकुर, पंच अरुण प्रधान, सेतराम राणा, हरिशंकर यादव, भैया राम प्रधान, अरुण चौधरी, पुरुषोत्तम पाडे, देवलाल पाडे, डमेश्वर ठाकुर, संतराम, कबड्डी आयोजन समिति के अध्यक्ष रामगोपाल चौधरी, सचिव पुरुषोत्तम सागर, नवनीत नाग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

शहर में काली पूजा 31 से आयोजन समिति गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

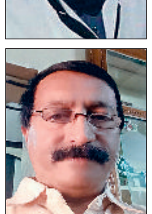

स्थानीय सिटी स्पोर्ट्स क्लब में बंग समिति के तत्वाधान में सार्वजनिक काली पूजा समिति की आवश्यक बैठक हुई। बैठक में इस वर्ष भी मां काली पूजा समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया है। सार्वजनिक काली पूजन का यह 35वां वर्ष है। मां काली पूजन का कार्यकम 4 दिवसीय होगा। 31 अक्टूबर काली पूजा रात्रि 8 बजे से शुरू होगा। 01 नवंबर एवं 02 नवंबर को दर्शनार्थ कार्यकम एवं 03 नवंबर को संध्या 5 बजे से विसर्जन का कार्यकम होगा। कार्यकम के सफल संयोजन के लिए सार्वजनिक काली पूजा समिति महासमुंद का गठन किया गया है। जिसमें संरक्षक डॉ. एचएस गुरुदत्ता, जसबीर मक्कड़ (पप्पू), अध्यक्ष संदीप घोष, उपाध्यक्षगण शुभ वर्मा, विशाल दास, आशीष बोस, गिरीश बोस, सचिव डॉ. विजन बागची, सहसचिव डॉ. संजीव कर्माकर, संजय बोस, मनोज पाल, राजा मोहतो, कोषाध्यक्ष मृत्युंजय बोस, संचालक मंडल विजय पाल, अजय विश्वास, डॉ विजय विश्वास, वरून दास, समीर समद्दार, समीर चौधरी, संजय घोस, नीतेंद्र बेनर्जी, शिवाजी बेनर्जी, राहुल चौधरी, ज्योतिष चौधरी, सलील चौधरी, महेश पाल, प्रमुख सलाहकार मनोहर पींचा, राजेश लूनिया, अमृत शर्मा, हेमंत झाबक, सुरेश नसीने, हलघर चंद्राकर, डॉ शेषनारायणगुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य तपस मिस्त्री, पंकज घोष, सुबीर पाल, अनुप चक्रवर्ती, अभिजीत बोस, सुभाष बोस, सुमित घोस, सुमित बोस, अचिंतो बेनर्जी, जयेश विश्वास, गोपाल सरकार, लक्ष्मण खान, विश्वनाथ राय, दीपांकर विश्वास, बिंदु मंडल, शिवा समद्दार, रोबीन समद्दार, प्रियंशु विश्वास, दीपांशु घोष, अभिषेक घोष, जयेश विश्वास आदि है।

शरद पूर्णिमा पर काव्य गोष्ठी में छलकती रही रसधार

शरद पूर्णिमा पर आस्था साहित्य की काव्य गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

आस्था साहित्य महासमुंद द्वारा शरद पूर्णिमा पर वरिष्ठ साहित्यकार एस चंद्रसेन के निवास त्रिमूर्ति कॉलोनी महासमुंद में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

काव्य गोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए आनंद तिवारी पौराणिक ने कहा कि घूम रहे हैं स्वच्छंद बेखौफ यत्र तत्र सर्वत्र पैने नाखून और जहरीले दांतों वाले यह दो टांग वाले भेड़िए। शरद की शीतलता पर काव्य पाठ करते हुए साहित्यकार एवं गीतकार सुरेंद्र अग्निहोत्री आगे ने कहा कि मन को शीतल करे दमक रहा चंद्रमा, स्वच्छ है गगन आज शरद की है पूर्णिमा। इस अवसर पर साहित्यकार सौरिन चंद्रसेन ने अपने कविताओं से सबको मंत्र मुक्त कर दिया। उन्होंने कहा कि हे मर्यादा पुरुषोत्तम राम तुमने क्यों किया यह काम। काव्य पाठ को आगे बढ़ते हुए साहित्यकार सरिता तिवारी ने पंक्तियां समर्पित करते हुए कहा कि आगे दिवारी तिहार जिंदगी में खुशहाली अपार दिया की रोशनी मां जगमगही डेहरी अंगना शरद पूर्णिमा के अवसर परअब कृष्ण को समर्पित पर करते हुए, सुजाता विश्वनाथन ने काव्य की प्रस्तुति दी उन्होंने कहा कि क्यों छाई हल्की उदासी चेहरे पर किसने कुछ कहा तुम तो लागे अति सुंदर कान्हा। काव्य गोष्ठी का संचालन करते हुए अपने अनूठे अंदाज में श्रृंगार रस पर कविता पढ़ते हुए साहित्यकार टेकराम सेन चमक ने पंक्तियां पढ़ते हुए काव्य गोष्ठी को नहीं ऊंचाइयां दी उन्होंने कहा कि पूनम की मखमली चांदनी रात में तुम सुंदर लगती हो शरद की सुहानी रात में तुम सुंदर लगती हो सघन वन प्रांतर धनी चादर लिए धान की सफेद बोलियों में तुम सुंदर लगती हो।

शोक सूचना

मेरे भ्राता एवं स्टार फुटवेयर स्वामी चौक, महासमुंद के संचालक हाजी हमीद चौहान की पत्नी एवं मेरी भाभी का आकस्मिक देहावसान हो जाने के कारण आज दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 दिन-शुक्रवार को संस्कृति भवन (लॉन) खरोरा, महासमुंद में हमारी ओर से आयोजित वैवाहिक रिसेप्शन के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है।

शोक संतप्त चौहान परिवार आपसे क्षमा प्रार्थी है।

मोहम्मद जमील चौहान
स्टार कंस्ट्रक्शन, स्वामी चौक महासमुंद
मो.99261-44454, 94252-15579

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बसना, जिला महासमुन्द (छ.ग.)

// ईश्तहार//
क्रमांक 241/क/भू.व्यय./अ.वि.अ./2024
बसना, दिनांकः 10 अक्टूबर 2024

आवेदक बालमुकुन्द पिता डायवरसिंग निवासी ग्राम कर्राभौना तहसील बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कर्राभौना प.ह.नं. 20 स्थित भूमि खसरा नंबर 3/3 रकबा 0.12हे. भूमि को भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-172 के तहत कृषि मद से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बी-1, खसरा, नक्शा, सीमांकन रिपोर्ट एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका द्वारा आवेदित उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय मे दिनांक 28/10/2024 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अनुभाग बसना

जिला के स्काउट-गाइड राज्य स्तरीय एडवेंचर हाईक के लिए हुए रवाना

महासमुंद। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला महासमुंद जिला के सभी विकासखंड से 30 स्काउट-गाइड, 02 प्रभारी शिक्षक 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक आयोजित राज्य स्तरीय एडवेंचर हाईक, व्यक्तित्व विकास एवं प्राकृतिक अध्ययन शिविर ग्राम जलकी सिरपुर के लिए रवाना हुए। इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष येतराम साहू, जिला सलाहकार दाउलाल चंद्राकर, जिला उपाध्यक्ष जय पवार, सहायक जिला आयुक्त गाइड पुरी हरपाल, जिला सचिव प्रमोद कुमार कन्नौजे, डीओसी स्काउट अवधेश विश्वकर्मा, डीओसी गाइड लीनू चंद्राकर, ब्लाक सचिव लता वैष्णव आदि मौजूद रहे। प्रभारी स्काउटर गाइडर के रूप में बच्चों के साथ राजीव कुमार तिवारी, गाइडर अनिता साहू रहेंगे। डीओसी गाइड लीनू चंद्राकर को राज्य की ओर से एडवेंचर के लिए प्रभारी नियुक्त किया गया है।

स्कूली बच्चों को बेसिक अंग्रेजी और गणित में दक्ष करने पर दिया जोर

महासमुंद। स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय सभागार महासमुंद में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा जिले के समस्त संकुल संकुल समन्वयकों की समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप समस्त स्कूली बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए मिशन मोड में कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके लिए उन्होंने संकुल समन्वयकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और योजनाबद्ध तरीके से राजस्व अमले के साथ मिलकर कार्य करने कहा। इसी के साथ ही प्राथमिक स्तर के बच्चों को बेसिक अंग्रेजी और गणित में दक्ष करने के लिए विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही विद्यालय के मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को ध्यान रखते हुए न्योता भोज का प्रतिशत बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर राजस्व अमले द्वारा जाति प्रमाण पत्र बनाने में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रवि साहू, एसडीएम महासमुंद हरिशंकर पैंकरा, एसडीएम बागबाहरा उमेंश साहू, जिला शिक्षा अधिकारी मोहन राव सावंत, जिला मिशन समन्वयक कमल नारायण चंद्राकर सहित जिले के समस्त ब्लॉक के विकासखंड के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसीसी, संकुल समन्वयक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बड़गांव में मनाया गया शरद पूर्णिमा का पर्व

बिरकोनी। ग्राम बड़गांव में बुधवार को रात्रि 9 बजे लीला समितियों द्वारा धार्मिक भजन कीर्तन के साथ शरद पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया। सर्वप्रथम गणेश वंदना व पूजा आरती गीत गाकर शुभारंभ किया गया। देवी मां के झाँकी के साथ महिषासुर के आक्रामक रूप प्रस्तुत किया गया। झांकी मंचन में महिषासुर ने ब्रह्मा की तपस्या कर वरदान हासिल किए। वरदान पाकर देवताओं और मनुष्यों पर अत्याचार करने लगा। उसने युद्ध में इंद्र को परास्त करके उस पर कब्जा कर लिया। फिर देवताओं ने मां पार्वती की स्तुति कर महिषासुर से छुटकारा पाने की प्रार्थना की। तब देवी पार्वती क्रोधाभिभूत होकर दुर्गा रूप धारण की और सभी देवताओं से अस्त्र-शस्त्र मांगकर महिषासुर का वध कर दिया। इस दौरान ग्राम वासियों ने देवी मां के दर्शन किए। दर्शकों ने शरद पूर्णिमा को व्रत रहकर माता की आरती की। चंद्रमा के अमृत वर्षा होने के साथ खीर-पूड़ी बनाकर मध्यरात्रि 12 बजे शुभमुहूर्त में प्रसाद वितरण किया गया। घरों में भी खीर के प्रसाद बनाकर सुबह परिवार के सदस्यों ने ग्रहण किया। भक्तों ने मां दुर्गा के दर्शन किए और परिवारिक सुख समृद्धि की कामना की।

कलाम के जन्मदिन को विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया

महासमुंद। प्राथमिक शाला सलिहाभांठा में पूर्व राष्ट्रपति और मिसाईलमैन के नाम से विख्यात डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का जन्मदिवस विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर डॉ कलाम के बारे में बच्चों को कंप्यूटर में वीडियो दिखाया गया और उनके जीवन से जुड़ी विभिन्न प्रेरक घटनाओं से बच्चों को अवगत कराया गया। डॉ कलाम ने किस तरह से संघर्षों से पार पाते हुए। सफलता प्राप्त किए इन बातों से सीख लेने की प्रेरणा पर बच्चों से संवाद किया गया। बच्चे इस तरह महान व्यक्तित्व के बारे में जान कर उत्साहित दिखे और अन्य महापुरुषों के बारे में भी जानने तथा स्वयं से खोजने को उत्सुकता नजर आए।

निधन

हज्जन मदिना

महासमुंद। स्थानीय स्वामी चौक निवासी हज्जन मदिना (58) का 17 अक्टूबर को निधन हो गया। अंतिम संस्कार स्थानीय कब्रिस्तान में किया गया। वे स्टार फुटवेयर के संचालक हाजी हमीद चौहान की धर्मपत्नी व राशिब चौहान, सोनू चौहान की मां व जमील चौहान, इकबाल चौहान की भाभी थी।

योजना: जल जीवन मिशन से आत्मनिर्भरता की ओर कछारडीह में पहल

जल जीवन मिशन से कछारडीह में पेयजल समस्या से मिली निजात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिला मुख्यालय से 70 किमी दूर स्थित ग्राम कछारडीह लंबे समय से पेयजल समस्याओं से जूझ रहा था। गांव के पास पानी के कुछ साधन जैसे 4 हैंडपंप और 2 पावर पंप थे, लेकिन गर्मियों में वे सूख जाते थे, जिससे पानी की भारी कमी हो जाती थी। कई परिवारों के घरों में पीने के पानी की कोई निजी व्यवस्था नहीं थी, और उन्हें तालाबों और कुओं से निस्तारी के लिए पानी लाना पड़ता था। महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता था। स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में भी पीने के पानी की सुविधा का अभाव था, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा था।

ग्राम कछारडीह में परिवर्तन की शुरुआत तब हुई जब जल जीवन मिशन के तहत ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को इस योजना के उद्देश्यों और लाभों से अवगत कराया गया। क्रियान्वयन के लिए संगम सेवा समिति को जिम्मेदारी दी गई। इस योजना अंतर्गत ग्राम जल स्वच्छता समिति का गठन किया गया, जिसमें 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। समिति के अध्यक्ष के रूप में ग्राम सरपंच और सचिव के रूप में पंचायत सचिव की नियुक्ति की गई।

जल जीवन मिशन के तहत गांव में गांव में 66.09 लाख रुपए की लागत से 40 किलोलीटर की जल टंकी का निर्माण किया गया। 635 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे हर घर में नल से पानी पहुंचना संभव हुआ। जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जल परीक्षण समिति बनाई गई। इस समिति में मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे फील्ड टेस्ट कीट और विधि से पानी की शुद्धता की नियमित जांच कर सकें। अब हर घर में पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे महिलाओं को पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता। ग्रामीणों ने शौचालयों का नियमित उपयोग शुरू किया, जिससे निस्तारी की समस्याएं कम हुईं।

शुद्ध पेयजल मिलने से जलजनित बीमारियों में कमी आई। ग्रामीणों में जल संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ी और वे अब अपने जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कर रहे हैं। हर परिवार से 50 रुपए का जल कर लिया जा रहा है, जिससे योजना का संचालन और रखरखाव सुनिश्चित हुआ। पानी के आपूर्ति तंत्र को सुचारू रखने के लिए पंप ऑपरेटर उमेंद्र कुमार ध्रुव की नियुक्ति की गई है, जो सुबह और शाम पानी की आपूर्ति का प्रबंधन करते हैं। जिले में हर-घर जल प्रमाणीकरण का गौरव 5 अक्टूबर को कछारडीह को प्राप्त हुआ। जल जीवन मिशन ने कछारडीह को न केवल शुद्ध पानी उपलब्ध कराया, बल्कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी अग्रसर किया है। ग्रामीण अब अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक प्रयास से कर रहे हैं।

भालूचुंवा व सिमगांव के कार्यक्रम में शामिल हुए अंकित बागबाहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

खल्लारी विधानसभा कांग्रेसी नेता अंकित बागबाहरा क्षेत्रीय दौरे और आमंत्रण पर कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। इस कड़ी में बांसकांठा में रामलीला कार्यक्रम, भुरकोनी में भंडारा, बढाईपाली में जसगान, घुंचापाली में दशगात्र सहित भालूचुंवा व सिमगांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम सह डांस प्रतियोगिता में शामिल हुए।

अंकित ने अपने मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश बघेल की सरकार में छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़िया महतारी की पूजा अर्चना प्रारंभ करवाई। राजगीत की संरचना को मूर्त रूप दिया, राज गमछा बनवाया, आदिवासी अंतरराष्ट्रीय नृत्य करवाया, आदिवासी परब सम्मान निधि दिलवाई, बैगा पुजारी, मांझी को सम्मान राशि दी और आज खेती किसानी के बाद धान की फसल पक कर तैयार है, ऐसे में वर्तमान सरकार को चाहिए कि 31 अक्टूबर को दिवाली से पहले खरीदी प्रारंभ करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी से भीगा हुआ इंसान लिबास बदलता है और मेहनत के पसीने से भीगा हुआ इंसान इतिहास बदलता है। इसी दिशा में सभी का प्रयास होना चाहिए।

इस अवसर पर डुमरौतीन ठाकुर जनपद सदस्य व अध्यक्ष महिला कांग्रेस बागबाहरा ग्रामीण, सविता ठाकुर सरपंच, ललित बया पूर्व सरपंच, चिंता साहू सरपंच राजेश साहू, कोमल साहू, जितेंद्र क्षत्री, नेमी चंद्राकर, नूतन ठाकुर, नोहर चक्रधारी, डोंगर ठाकुर, सनाउ राम, राजकुमार, पिंकी चंद्राकर, इंदु चक्रधारी, युवराज ठाकुर, सन्नी केशरवानी, भीम ठाकुर, प्रेम सिंह ठाकुर, भारत ठाकुर, जितेंद्र मिश्रा, अशोक नाग, प्रदीप पांड़े, टीकम ठाकुर, उमाकांत पटेल आदि उपस्थित रहे।

तुमगांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए लाखों रुपए की मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- 1 करोड़ 18 लाख 96 हजार से होंगे अनेक विकास कार्य

नगरीय प्रशासन मंत्री व उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा तुमगांव नगर के विकास कार्यो को और गति प्रदान करने एक करोड़ 18 लाख 96 हजार रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति दी है। बता दें कि नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश चंद्राकर, उपाध्यक्ष पप्पू पटेल एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विकास कार्यों की योजना का प्रस्ताव भेजा गया। जिसकी स्वीकृति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार ने दी है। स्वीकृत कार्यों में मां शीतला मंदिर परिसर में डोम शेड निर्माण, शीतला मंदिर परिसर में महतारी घाट का निर्माण, वार्ड नं 02 सरस्वती शिशु मंदिर में स्कूल के बच्चों के छांव सुविधा व सभागार प्रार्थना सभा व विभिन्न कार्यों के लिए, वार्ड नं 06 गोविंदा तालाब में महतारी घाट निर्माण, वार्ड नं 05 शासकीय प्राथमिक शाला में प्रार्थना सभा शेड निर्माण कार्य कराया जाएगा। पुराना रोड हाथी बुडान के पास बस स्टॉप निर्माण कार्य, मीना बाजार में बाजार शेड निर्माण कार्य, वार्ड नं 15 गाड़ाघाट मेंन रोड के पास बस स्टॉप निर्माण कार्य, वार्ड नं 13 शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल भाठापारा में प्रार्थना सभा शेड निर्माण कार्य कराया जाएगा। पार्षद व सभापति धर्मेंद्र यादव ने कहा कि विकास कार्य से नगरवासियों स्कूल के बच्चों सभी आम जनता को नवीन सुविधा मिलेगी।

गुड़रूडीह में पशुपालकों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ग्राम गुड़रूडीह में पशुधन विकास को बढ़ावा देने के लिए पशुपालकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें 60 महिला व पुरुष पशुपालक शामिल हुए। पशु औषधालय लहंगार के सूरज कुमार मन्नाडे ने पशुधन विकास विभाग के कार्यों पर विस्तृत प्रकश डालते हुए बताया कि प्रदेश में दूध का उत्पादन तो बढ़ा है। लेकिन, राष्ट्रीय हिस्सेदारी अभी भी बहुत कम है। दूध पोषण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए भोजन का एक महत्वपूर्ण अंग है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए अतिआवश्यक है। जिले व प्रदेश के सभी परिवारों को पर्याप्त दूध मिले,

इसके लिए हम लोगों को अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इसमें कृत्रिम गर्भाधान एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। पशु उत्पादक होंगे तो उनकी देखरेख भी पशुपालक अवश्य करेंगे, जिससे हमारी गौ माता की अच्छी देखरेख हो पाएगी। वरिष्ठ अधिकारी ने विभाग में संचालित सभी योजनाओं की जानकारी दी। इसके उपरांत गोठान व घरों के पशुओं को विभिन्न प्रकार के टीकाकरण तथा बीमार व चोटिल पशुओं का इलाज किया गया। कार्यक्रम के अगले क्रम में वरिष्ठ पशुपालक व जनपद सदस्य रमाकांत ध्रुव ने बताया कि पशुपालन के बिना हम खेती नहीं कर सकते। हमारे पूर्वज पशुपालन को आस्था से जोड़कर देखते थे। क्योंकि, प्राकृतिक / टिकाऊ खेती करने के लिए हमें गोमूत्र व गोबर की आवश्यकता होती है, इसलिए गाय को गौमाता की संज्ञा दी गई है। हमारे छत्तीसगढ़ की देसी गायों की नस्लों में दूध कम है, लेकिन गोमूत्र और गोबर में बहुत ही ताकत है जो हमारी खेती के लिए अत्यंत आवश्यक है। दूध की आवश्यकता हमेशा ही रहनी है इसलिए यह एक व्यापार के रूप में भी किया जा सकता है। प्रशिक्षण का संचालन रिलायंस फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर संतोष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उपसरपंच परमेंश्वर ध्रुव, पंच ललिता ध्रुव, मितानिन सुशीला ध्रुव, उमा ध्रुव, सावत्री ध्रुव, राधा बाई, तुलाराम ध्रुव, भूषण ध्रुव, थानु ध्रुव, सालिक, जय ध्रुव आदि मौजूद रहे।

गीता जयंती पर गौ विज्ञान परीक्षा की तैयारी पर चर्चा

महासमुंद। छत्तीसगढ़ स्तर पर आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा की तैयार के लिए जिला परीक्षा प्रभारी माधव राव टांकसाले, जिला प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष जे. जार्ज रावटे, जिला सहसचिव राकेश श्रीवास्तव, देव संस्कृति विद्यालय के प्राचार्य कुबेर गिरी गोस्वामी, जिले के महासमुंद तथा बागबाहरा ब्लाक का दौरा कर जिले के प्राचार्य, प्रधानपाठक तथा संकुल प्रभारियों की बैठक लेकर गौ विज्ञान परीक्षा संबंधी चर्चा कर बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया तथा सहयोग प्रदान करने की अपील की। इस अवसर पर जिला परीक्षा प्रभारी माधव राव टांकसाले ने परीक्षा के संबध में जानकारी देते हुए कहा कि परीक्षा तीन स्तर पर आयोजित है। पहला शालेय स्तर, दूसरा चरण जिला, तीसरा चरण प्रांतीय स्तर पर होगा। प्रत्येक स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सभी प्रतिभागी को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। जिला स्तर पर सम्मिलित होने वाले प्रतियोगियों के लिए ठहरने तथा भोजन की व्यवस्था की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. जार्ज रावटे ने वर्तमान समय में बच्चों को गाय के बारे में जानकारी देना आवश्यक है तथा उनके मन के पालतू पशुओं के प्रति लगान पैदा करना आवश्यक हो गया है। महासमुंद ब्लाक बैठक के कुबेर गिरी गोस्वामी तथा बागबाहरा बागबाहरा के राकेश श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त करते सहयोग की अपील की।

सांकरा में अघरिया समाज ने मनाया शरद पूर्णिमा पर्व

सांकरा (जोंक)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सांकरा में निवासरत अघरिया समाज के लोगों ने लगातार छठवां वर्ष शरद पूर्णिमा पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य अघरिया समाज में एकता, प्रेम व सामाजिक सौहार्द बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ी धर्म व संस्कृति से परिचित हो इस पर जोर देने के लिए किया जाता है। इस अवसर पर सर्वप्रथम अघरिया समाज के वरिष्ठ नागरिकों के नेतृत्व में भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस मौके पर आरती थाल प्रतियोगिता, हार बनाओ एवं कलश सजाओ प्रतियोगिता हुई। बाद बच्चों का डांस, कुर्सी दौड़ तथा महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, मटका फोड़ एवं गरबा नृत्य हुआ। पुरूषों ने भी मटका फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

बाल-विवाह, दहेज प्रथा, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ पर नाटक के माध्यम से कलाकारों ने दिया संदेश

नर्रा। बागबाहरा विखं के ग्राम सम्हर में शरद पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों के सहयोग से छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित नाचा गम्मत रजीत चक्रधारी कृत कका भतीजा नाचा गम्मत सराईपाली कोमाखान जिला महासमुंद द्वारा प्रस्तुति दी गई। शरद पूर्णिमा महोत्सव पर प्रसादी ग्रहण करने के लिए आसपास गांवों से हजारों के तदात में दर्शक पहुंचे। कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति की सराहना करते हुए गांव प्रमुख पारस नायक, पिलेश्वर पटेल भाजपा मंडल अध्यक्ष, दीपक नायक गांव समिति के अध्यक्ष, नेतराम दीवान ग्राम पंचायत सरपंच, खियत राम पूर्व सरपंच, मेघराज पटेल, नीलकंठ साहू, भानु नायक, हरि पटेल, गंगाधर पटेल के अलावा कार्यक्रम कि सफलतापूर्वक प्रस्तुति के लिए कका भतीजा नाचा गम्मत सराईपाली कोमाखान के संस्था प्रमुख एवं छत्तीसगढ़ नाचा गम्मत संघ के प्रदेश अध्यक्ष रजीत चक्रधारी को नाचा गम्मत के क्षेत्र में सराहनीय कार्यक्रम के लिए प्रशंसा की।

केंद्र सरकार की नीति का पालन करें राज्य सरकार : फेडरेशन

मोदी की गारंटी कब लागू होगी? कर्मचारी जगत हैरान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छग प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं जिलाध्यक्ष चमन चंद्राकर, महामंत्री हेमेंद्र आचार्य का कहना है कि अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (एआईसीपीआईएन) के आधार पर केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष के 1 जनवरी एवं 1 जुलाई की स्थिति में कर्मचारियों तथा पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) तथा महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि किया जाता है। राज्य सरकार को भी इस नीति का पालन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2019 से 1 जुलाई 2024 तक केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान, राज्य सरकार के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को देय तिथि से महंगाई भत्ता तथा महँगाई राहत नहीं दिया जा रहा है, जो कि केंद्र सरकार की नीति के अनुसार नहीं है। आखिर छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में प्रदेश के कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी का कब क्रियान्वयन होगा? क्या राज्य सरकार ने मोदी की गारंटी को भुला दिया है? कर्मचारी जगत हैरान है। उन्होंने कुछ आंकड़ों का भी उल्लेख बताया कि राज्य सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2024 से डीए में 4 प्रतिशत वृद्धि की घोषणा से डीए 46 से 50 प्रतिशत हो गया है। जिसके कारण कर्मचारियों के वेतन में 4 प्रतिशत तथा एचआरए में 1 प्रतिशत का वृद्धि होगा। एचआरए 9 प्रतिशत अब 10 तथा 6 अब 7 प्रतिशत देय होगा। डीए में वृध्दि से चतुर्थ वर्ग कर्मचारी को वेतन में न्यूनतम 624 और अधिकतम 1976, तृतीय वर्ग को 780 और 2480, द्वितीय श्रेणी को 1728 और 5460 तथा प्रथम श्रेणी को 3196 और 8468 रुपए वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान मूलवेतन पर डीए में 4 प्रतिशत तथा एचआरए में 1 कुल 5 प्रतिशत की वृद्धि कर्मचारियों के आंदोलन के वजह से हुआ है।

विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव का हुआ उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

स्थानीय भलेसर मार्ग पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव का उद्घाटन सत्र में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोवर्धन प्रधान (आदर्श शिक्षा मंडल समिति के सह सचिव), अध्यक्षता राजेश लूनिया (अध्यक्ष), विशेष अतिथि घनश्याम सोनी (कार्यकारिणी सदस्य), संध्या शर्मा (उपाध्यक्ष), धर्मेंद्र महोबिया (सचिव) एवं राजिम विभाग मानिकलाल साहू रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, ओम एवं भारत माता के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पण, तिलक लगाकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्राचार्य राजश्री ठाकुर ने किया। इस अवसर पर विभाग समन्वयक मानिक लाल साहू ने प्रस्तावित उद्बोधन में कहा गया कि इस संस्कृति महोत्सव में राजीम विभाग के तीन जिले महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद के 19 विद्यालयों से 451 भैया बहन एवं 31 संरक्षक दीदी /आचार्य कुल 485 की संख्या में सम्मिलित हुए हैं। इस तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता, रंगोली, निबंध लेखन, एकल अभिनय, शास्त्रीय नृत्य, तबला वादन, प्रश्न मंच, स्वरचित कविता, वंदे मातरम गायन, भजन, गीता पाठ, मानस प्रथमाक्षरी, तात्कालिक भाषण तबला वादन, एकल अभिनय, भजन, प्रश्न मंच प्रतियोगिता, स्वरचित कविता, मूर्ति कला जैसे अनेक प्रतियोगिता संपन्न होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गोवर्धन प्रधान ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप जिस क्षेत्र में जाएं वहां अच्छा प्रदर्शन करें। अच्छा प्रदर्शन के आधार पर आपकी पहचान बनती है, हमारे देश में अनेक वैज्ञानिक हुए विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए खोज कर अपना नाम इतिहास के पन्नों में लिख दिया है। साथ ही उन्होंने हमारे देश के वैज्ञानिक सत्येंद्र बोस, ईश्वरचंद्र विद्यासागर के बारे में संक्षिप्त में जानकारी दी। इस संस्कृति महोत्सव के माध्यम से हम सनातन संस्कृति में आध्यात्मिकता के भाव जागृत कर सकते हैं। आप सब आप सभी अपने भावी जीवन में अपने देश का अपने शहर अपने प्रदेश का नाम रोशन करें। पश्चात विशेष अतिथि घनश्याम सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश में संस्कृति को बचाए रखने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर विशेष रूप से कार्य कर रही हैं। विद्या भारती द्वारा भैया बहनों में कला को जागृत करने के लिए ऐसे संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उनके द्वारा प्रतियोगिता प्रतियोगिता में भाग लेने आए हुए भैया बहनों को अच्छा प्रदर्शन कर अपने विद्यालय परिवार का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। आभार प्रदर्शन धर्मेंद्र महोबिया एवं संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य मनोज साहू ने किया। इस अवसर पर इस कार्यक्रम के प्रभारी दीपक शुक्ला, निवास शुक्ला, हेमंत महाडिक, अनिवेश शर्मा, विद्यालय के प्राचार्य राजश्री ठाकुर, प्रधानाचार्य कृष्णा चंद्राकर, विद्यालय के बौद्धिक प्रभारी बलराम सेन एवं विद्यालय के समस्त दीदी आचार्य उपस्थित रहे।

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Collage Tour
By Train-रिजर्वेशन कोच
06 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024, 20 दिसंबर से 01 जनवरी 2025
24 जनवरी से 05 फरवरी 2025, 21 फरवरी से 05 मार्च 2025
02 मार्च से 19 मार्च 2025
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
जनकपुर(सीता मईया का जन्म स्थल), सीतामणी, पशुपतिनाथ, लुम्बिनि (भगवानबुद्ध का जन्म स्थान), माँ मनोकामना देवी, पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव, डेविड फाल, विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (भोलेनाथ मंदिर, बुढ़ानिलकंड, सांघा), काठमांडू दरबार, भक्तपुर, गोरखनाथ मंदिर, अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), वाराणसी (काशी विश्वनाथ)
राशि:-स्लीपर 18500/- 3 एसी 27,500/-2 एसी 30,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D 36 Sector 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411